

 **AstroSage**

World's No. 1 Astrology Portal & App

कीमत: ~~\$ 10~~ मुफ्त

## अवकहडा चक्र

पाया (नक्षत्र आधारित)	लोहा
वर्ण	वैश्य
योनी	मेष
गण	राक्षस
वश्य	चतुष्पद
नाड़ी	अंत
दशा भोग्य	Sun 0 Y 2 M 7 D
लग्न	सिंह
लग्न स्वामी	सूर्य
राशि	वृषभ
राशि स्वामी	शुक्र
नक्षत्र-पद	कृतिका 4
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
जुलियन दिन	2449594
सूर्य राशि (हिन्दू)	सिंह
सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
अयनांश	023.46.55
अयनांश नाम	लाहिरी
अक्ष से झुकाव	023.26.24
साम्पातिक काल	05.30.14

## अनुकूल बिन्दु

भाग्यांक	8
शुभ अंक	1, 3, 7, 9
अशुभ अंक	5
शुभ वर्ष	17,26,35,44,53
भाग्यशाली दिन	शुक्र, बुध
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशियां	कन्या, मकर, वृषभ
शुभ लग्न	सिंह, वृश्चिक, मकर, मीन
भाग्यशाली धातु	चांदी
भाग्यशाली रत्न	हीरा

## व्यक्ति विवरण

लिंग	Male
दिनांक	29 : 8 : 1994
समय	7 : 28 : 0
दिन	सोमवार
इष्टकाल	003-22-57
जन्म स्थान	Tarana
टाइम जोन	5.5
अक्षांश	23 : 19 : N
रेखांश	76 : 1 : E
स्थानीय समय संशोधन	00:25:56
युद्ध कालिक संशोधन	00:00:00
स्थानीय औसत समय	7:2:4
जन्म समय – जीएमटी	1:58:0
तिथि	अष्टमी
हिन्दू दिन	सोमवार
पक्ष	कृष्ण
योग	व्याघात
करण	बालव
सूर्योदय	06:06:49
सूर्यास्त	18:47:06
दिन अवधि	12:40:17

## घटक (अशुभ)

दिन	शनिवार
करण	शकुनि
लग्न	वृषा
माह	मार्गशीर्ष
नक्षत्र	हस्त
प्रहर	4
राशि	कन्या
तिथि	5, 10, 15
योग	सुकर्मन
ग्रह	सूर्य चंद्र

# विवाह विशेषज्ञ ज्योतिषियों से करें बात



## पहली कॉल / चैट मुफ्त

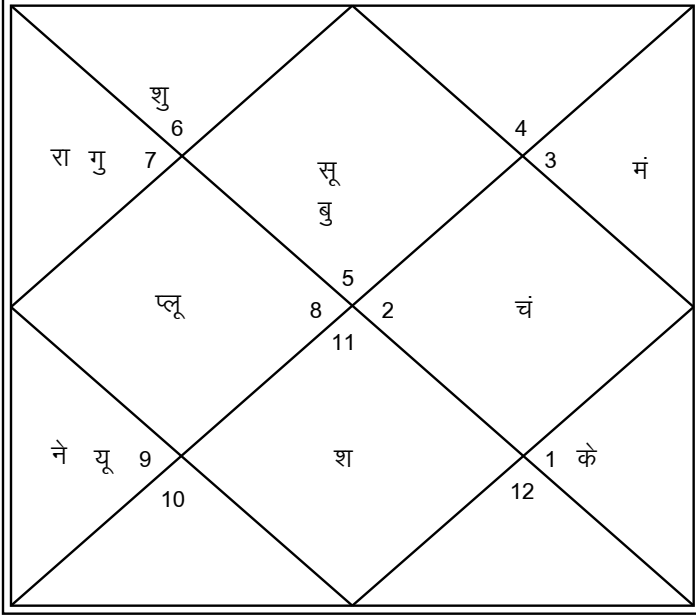
## अभी करें कॉल



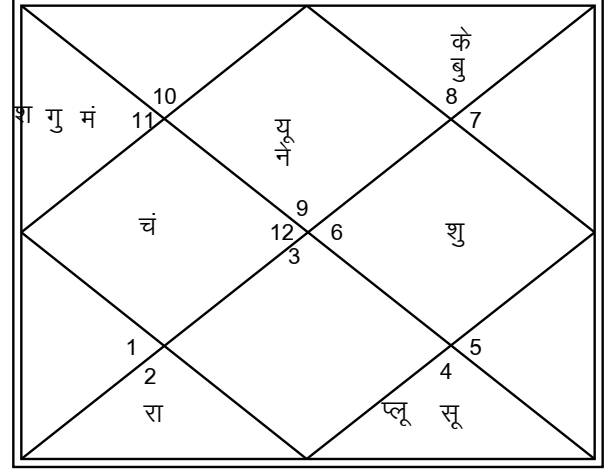
## पारम्परिक

नाम	Anil	जुलियन दिन	2449594	लग्न स्वामी	सूर्य	दशा भोग्य	Sun 0 Y 2 M 7 D
लिंग	Male	अयनांश नाम	लाहिरी	लग्न	सिंह	करण	बालव
दिनांक	29.8.1994	अयनांश	023.46.55	योग	व्याघात	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
दिन	सोमवार	जन्म स्थान	Tarana	तिथि	अष्टमी	नक्षत्र-पद	कृतिका-4
समय	7.28.0	रेखांश	76.1.E	सूर्यास्त	18.47.06	राशि स्वामी	शुक्र
साम्पातिक काल	05.30.14	अक्षांश	23.19.N	सूर्योदय	06.06.49	राशि	वृषभ

## लग्न चक्र



## नवमांश चक्र



## विंशोत्तरी दशा

सूर्य -8 वर्ष	29/8/94 से 7/11/94
सूर्य	00/00/00
चंद्र	00/00/00
मंगल	00/00/00
राहु	00/00/00
गुरु	00/00/00
शनि	00/00/00
बुध	00/00/00
केतु	00/00/00
शुक्र	7/11/94

चंद्र -10 वर्ष	7/11/94 से 7/11/04
चंद्र	7/9/95
मंगल	7/4/96
राहु	7/10/97
गुरु	7/2/99
शनि	7/9/00
बुध	7/2/02
केतु	7/9/02
शुक्र	7/5/04
सूर्य	7/11/04

मंगल -7 वर्ष	7/11/04 से 7/11/11
मंगल	4/4/05
राहु	22/4/06
गुरु	28/3/07
शनि	7/5/08
बुध	4/5/09
केतु	1/10/09
शुक्र	1/12/10
सूर्य	7/4/11
चंद्र	7/11/11

राहु -18 वर्ष	7/11/11 से 7/11/29
राहु	19/7/14
गुरु	13/12/16
शनि	19/10/19
बुध	7/5/22
केतु	25/5/23
शुक्र	25/5/26
सूर्य	19/4/27
चंद्र	19/10/28
मंगल	7/11/29

गुरु -16 वर्ष	7/11/29 से 7/11/45
गुरु	25/12/31
शनि	7/7/34
बुध	13/10/36
केतु	19/9/37
शुक्र	19/5/40
सूर्य	7/3/41
चंद्र	7/7/42
मंगल	13/6/43
राहु	7/11/45

शनि -19 वर्ष	7/11/45 से 7/11/64
शनि	10/11/48
बुध	19/7/51
केतु	28/8/52
शुक्र	28/10/55
सूर्य	10/10/56
चंद्र	10/5/58
मंगल	19/6/59
राहु	25/4/62
गुरु	7/11/64

बुध -17 वर्ष	7/11/64 से 7/11/81
बुध	4/4/67
केतु	1/4/68
शुक्र	1/2/71
सूर्य	7/12/71
चंद्र	7/5/73
मंगल	4/5/74
राहु	22/11/76
गुरु	28/2/79
शनि	7/11/81

केतु -7 वर्ष	7/11/81 से 7/11/88
केतु	4/4/82
शुक्र	4/6/83
सूर्य	10/10/83
चंद्र	10/5/84
मंगल	7/10/84
राहु	25/10/85
गुरु	1/10/86
शनि	10/11/87
बुध	7/11/88

शुक्र -20 वर्ष	7/11/88 से 7/11/08
शुक्र	7/3/92
सूर्य	7/3/93
चंद्र	7/11/94
मंगल	7/1/96
राहु	7/1/99
गुरु	7/9/01
शनि	7/11/04
बुध	7/9/07
केतु	7/11/08

ग्रह स्थिति	राशि	अक्षांश	नक्षत्र	पद
लग्न	सिंह	29.23.23	उ०फाल्गुनी	1
सूर्य	सिंह	11.44.30	मघा	4
चंद्र	वृषभ	09.34.58	कृतिका	4
मंगल	मिथुन	14.08.21	आर्द्रा	3
बुध	सिंह	26.16.21	पू०फाल्गुनी	4
गुरु	तुला	15.35.24	स्वाती	3
शुक्र	कन्या	27.40.02	चित्रा	2
शनि (व)	कुंभ	15.28.25	शतभिषा	3
राहु (व)	तुला	24.35.36	विशाखा	2
केतु (व)	मेष	24.35.36	भरणी	4
यूरे (व)	धनु	29.09.45	उ०षाढा	1
नेप (व)	धनु	27.02.53	उ०षाढा	1
प्लू	वृश्चिक	01.35.54	विशाखा	4

अष्टकवर्ग तालिका												
राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	3	4	5	4	4	3	4	3	3	3	6	6
चंद्र	3	6	5	5	3	1	6	4	3	4	4	5
मंगल	2	3	4	4	4	3	5	1	4	4	2	3
बुध	4	5	5	4	5	5	4	3	6	5	3	5
गुरु	6	5	7	4	4	5	3	5	4	7	3	3
शुक्र	6	5	7	4	4	4	5	4	5	3	2	3
शनि	3	4	4	4	5	2	3	3	1	2	3	5
योग	27	32	37	29	29	23	30	23	26	28	23	30

चलित तालिका				
भाव	राशि	भाव आरंभ	राशि	भाव मध्य
1	सिंह	14.23.21	सिंह	29.23.22
2	कन्या	14.23.21	कन्या	29.23.19
3	तुला	14.23.17	तुला	29.23.16
4	वृश्चिक	14.23.14	वृश्चिक	29.23.12
5	धनु	14.23.14	धनु	29.23.16
6	मकर	14.23.17	मकर	29.23.19
7	कुंभ	14.23.21	कुंभ	29.23.22
8	मीन	14.23.21	मीन	29.23.19
9	मेष	14.23.17	मेष	29.23.16
10	वृषभ	14.23.14	वृषभ	29.23.12
11	मिथुन	14.23.14	मिथुन	29.23.16
12	कर्क	14.23.17	कर्क	29.23.19

## ॥ आपका लग्न ॥

### लग्न क्या है –

भारतीय ज्योतिष में लग्न का बहुत महत्वपूर्ण स्थान है। व्यक्ति के जन्म के समय में जो राशि पूर्वीय क्षितिज पर उदित हो रही होती है उस राशि को लग्न राशि कहते हैं। वह राशि जिस भाव में पड़ती है उसे लग्न कहते हैं। लग्न व्यक्ति के जीवन की छोटी से छोटी घटना के बारे में जानने में मदद करता है।

आपका लग्न है: सिंह

### स्वास्थ्य सिंह लग्न के लिए:

सिंह लग्न के स्वामी होने के कारण आपको हृदय सम्बन्धी समस्या खासकर धमनियों में खून का थक्का जमने से दिल का दौरा पड़ने की संभावना जैसे रोग होने का खतरा बन रहा है। पीठ में दर्द, फेंफड़े संबंधी समस्याएं, रीढ़ की हड्डी से जुड़ी हुई समस्याएं, बुखार, जलन, पसली आदि की समस्या आमतौर पर हो सकती हैं। तथा मानसिक तनाव से आपके हृदय को नुकसान पहुंच सकता है और कभी कभी आंखों के विकार भी हो सकते हैं।

### स्वभाव व व्यक्तित्व सिंह लग्न के लिए:

आपकी लग्न के लोग गतिशील और आकर्षक व्यक्तित्व के मालिक होते हैं। तथा आपके महत्वाकांक्षी, साहसी, मजबूत इच्छाशक्ति, सकारात्मक, स्वतंत्र और आत्म विश्वास से ओतप्रोत होने की संभावनाएं बन रही हैं। आपका स्वभाव खरी खरी बात करने का सकता है और आपको अच्छी तरह पता होता है कि आपको क्या चाहिए और आप उसे पाने के लिए पूरे मन और रचनात्मक तरीके से उसे पूरा करते हैं। हालांकि आप गुस्सैल और कभी कभी किसी बात पर दुखी होने पर आक्रामक होने की प्रवृत्ति रखने वाले भी हो सकते हैं। आप निजी आक्षेप के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं और जब आपके आदर्शों की आलोचना होती है तो आप काफी गुस्से में आ जाते हैं। आप स्वभाव से जिद्दी हो सकते हैं और इस बात में यकीन करते हो कि आपके द्वारा उठाया गया कदम सही है। वह सही या गलत हो आप अंत समय तक उसपर अड़े रहते हैं। आपके मानवीय गुणों से संपन्न होने की संभावना बन रही हैं। आपकी लग्न के लोग सहज, खुश रहने वाले बुद्धिमान और खुले विचार वाले होते हैं। तथा आप धर्म में रूढ़िवादी सिद्धांतों का पालन करते हैं लेकिन दूसरे के उपदेशों के प्रति संवेदनशील भी होते हैं।

### शारीरिक रूप-रंग सिंह लग्न के लिए:

सिंह लग्न के लोग करिश्माई व्यक्तित्व के मालिक होते हैं और आपके व्यक्तित्व से लोग काफी आकर्षित होते हैं। व्यक्तित्व के मुकाबले शारीरिक बनावट के मामले में वे उतने भाग्यशाली नहीं होते, आप औसत ऊंचाई वाले और शरीर का उपरी हिस्सा बेहतर बनावट वाला होता है। आपकी लग्न के लोगों की आँखें हल्की पीली और चेहरा अंडाकार होता है। आपकी लग्न के पुरुष या महिला भले ही नियंत्रित दिखे लेकिन आसानी से उन्हें मनाया जा सकता है। जोश और जूनून आपमें आम होती है।



**ज्योतिषीय परामर्श लें**  
हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषियों से

अभी परामर्श लें >

## ॥ नक्षत्र फल ॥

हिन्दू ज्योतिष में नक्षत्रों का विशेष महत्व है। आकाश को यदि 27 (कभी-कभी 28) बराबर भागों में विभाजित किया जाए, तो प्रत्येक भाग एक नक्षत्र कहलाता है। हर नक्षत्र को बराबर-बराबर चार पदों में भी विभाजित किया गया है। ज्योतिष की अवधारणा के अनुसार हर पद एक अक्षर को इंगित करता है। प्रायः किसी व्यक्ति के जन्म के समय चन्द्रमा जिस पद में होता है, उससे जुड़े अक्षर से उस व्यक्ति का नाम रखा जाता है।

**आपका नक्षत्र रिपोर्ट :** कृतिका

**आपका नक्षत्र चरण :** 4

**कृतिका नक्षत्र फल :** आप अच्छे सलाहकार और आशावादी सोच वाले हैं। शिष्ट आचरण और मर्यादित जीवन जीना आपकी विशेषता है। आपके चेहरे से एक तेज झलकता है और आप चलते भी तेज गति से हैं। कृतिका शब्द से अंग्रेजी भाषा का 'क्रिटिकल' शब्द बना है अतः मानवीय स्वभाव के दोषों को खोज निकालना और उन्हें दूर करने का प्रयास करना आपका विशेष गुण है। आप किसी भी कार्य के परिणाम का विश्लेषण करके उसमें छुपे गुण-दोष भी खोज निकालने में माहिर हैं। आप अपने वचनों के पक्के हैं और समाज-सेवा में भी रुचि रखते हैं। यश और ख्याति से तो आपको कुछ लेना-देना ही नहीं है तथा किसी की दया पर भी आश्रित नहीं रहना चाहते हैं। अपना हर काम आप खुद करने में विश्वास रखते हैं। हालात के अनुसार ढलना भी आपको नहीं आता और अपने फैसलों पर हमेशा अडिग रहते हैं। भले ही बाहर से आप कठोर नजर आते हों परंतु आपके अंदर प्यार, ममता व दया छिपी हुई है। आपका क्रोध डराने के लिए नहीं बल्कि नीति-नियमों का पालन करने के लिए होता है। आध्यात्मिक क्षेत्र में भी आपकी रुचि है। आप जप-तप, व्रत-उपवास करके धार्मिक जीवन में उन्नति कर सकते हैं। एक बार अगर आप आध्यात्मिक पथ पर आगे बढ़ जाते हैं तो किसी प्रकार के माया-मोह के बंधन आपका रास्ता नहीं रोक सकते। अत्यधिक परिश्रमी होने से आप निरंतर कर्म करने में विश्वास रखते हैं। शिक्षा का क्षेत्र हो अथवा नौकरी, व्यवसाय का दृष्टि आप सबसे आगे रहना पसंद करते हैं। पिछड़ना या पराजित होना तो आपको असह्य जान पड़ता है। आपका अत्यधिक ईमानदारी भरा व्यवहार आपको धोखा भी दिलवा सकता है। प्रायः जन्मभूमि से दूर रहकर ही आप ज्यादा सफलता प्राप्त करेंगे। आप दूसरों को उनकी समस्याओं से निपटने के लिए अच्छी सलाह देने में सक्षम हैं। आपको गलत तरीकों से और दूसरों की दया से यश, धन और नाम कमाना बिलकुल पसंद नहीं है। आपमें धन कमाने की भी अपूर्व योग्यता है और किसी भी लक्ष्य के लिए कड़ा परिश्रम करना आपकी आदत में शुमार है। आपका सार्वजनिक जीवन भी यशस्वी होगा। आपका रूप आकर्षक होगा और साफ-सफाई पसंद करने वाले होंगे। आप जीवन को अपने नियमों और उसूलों से जियेंगे। आपकी संगीत और कला के प्रति भी बहुत रुचि होगी तथा आप सिखाने का काम भी बखूबी कर सकते हैं।

**शिक्षा और आय :** आप प्रायः अपने जन्म-स्थान पर नहीं टिकेंगे और रोजगार के सिलसिले में परदेश जा सकते हैं। चिकित्सा, इंजीनियरिंग, दवाइयों से जुड़े क्षेत्र, आभूषण-निर्माण सम्बंधित कार्य, विश्वविद्यालय के उच्च अधिकारी या विभागाध्यक्ष, वकील, न्यायाधीश, सेना, पुलिस या सुरक्षा बल में नौकरी, अग्निशमन अधिकारी, पालना-घर, अनाथ आश्रम से जुड़े कार्य, व्यक्तित्व निखारने व आत्मविश्वास बढ़ाने से सम्बंधित कार्य, आध्यात्मिक गुरु या उपदेशक, अग्नि से जुड़े व्यवसाय जैसे हलवाई, बेकरी, वैलडिंग, ढलाई का काम, सिलाई-कढ़ाई, दर्जी, चीनी मिट्टी या सिरेमिक की वस्तुएँ बनाने वाले तथा वे सभी कार्य जिसमें आग या तेज धार वाले औजारों का प्रयोग होता हो दृष्टि आप उन्हें करके सफल हो सकते हैं।

**पारिवारिक जीवन :** आपका वैवाहिक जीवन सुखी रहेगा। जीवनसाथी गुणवान, समर्पित, निष्ठावान और घरेलू कार्य में निपुण होगा। इतने अनुकूल घरेलू वातावरण के बावजूद जीवनसाथी का स्वास्थ्य आपकी चिंता का विषय हो सकता है। आपका जीवनसाथी पूर्व परिचित हो सकता है। प्रेम विवाह की भी संभावना है। आप अपनी माता से विशेष लगाव रखते हैं और आपको अपनी माता से अन्य भाई व बहनों की अपेक्षा अधिक स्नेह मिलेगा। संभव है कि जीवन 50 वर्ष की आयु तक विशेष संघर्षशील रहे, लेकिन उसके उपरांत 50 वर्ष से 56 वर्ष की उम्र का समय बहुत अच्छा बीतेगा।



## ॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

### चरित्र:

आप एक ऊर्जावान व्यक्ति हैं और तब तक संतुष्ट नहीं होते जब तक क्रियाशील न हों। आप मानसिक एवं शारीरिक रूप से शक्तिशाली एवं काम के लिये उत्साह से भरपूर हैं। आपके अन्दर असीम साहस है एवं यह सभी गुण आपके जीवन को बहुआयामी बनाते हैं। आप एक जगह ही सिर्फ इसलिये ही नहीं रुक सकते क्योंकि आपने उस दिशा में कार्य प्रारम्भ किया था। अगर आपको सही लगता है तो आप अपना काम, मित्र, रुचियां या कुछ भी बदलने में नहीं हिचकिचाते। दुर्भाग्यवश आप परिवर्तन के सभी पहलुओं का अध्ययन नहीं कर पाते और यह जल्दबाजी आपको प्रायः मुसीबत में डालती है। फिर भी आपके अन्दर साहस है, आप जन्मजात रूप से मुसीबतों से लड़ने वाले हैं। यह सब मिलाकर आपको अन्त में सफलता दिलाते हैं। ऐसा प्रतीत नहीं होता कि जीवन में आपको असीम धन की प्राप्ति होगी परन्तु धन केवल तभी उपयोगी होता है जब वह आपको सुख दिला सके और उस सुख से आप जीवन का सम्पूर्ण आनन्द ले सकें। यह मानने के अनेक कारण हैं कि आप जगह-जगह की सैर करेंगे और सम्भवतः अत्यधिक विश्व भ्रमण करेंगे। आपको देश के विभिन्न हिस्सों में पद प्राप्त होंगे। आपको अपने व्यवसाय के कारण भ्रमण अधिक करना पड़ेगा। हमारी सलाह है कि आपको अपने अन्दर धैर्य विकसित करने का प्रयास करना चाहिये और आपको किसी भी नये व्यवसाय को प्रारम्भ करने से पहले उस पर होने वाले खर्च का पूरा अध्ययन कर लेना चाहिये। यह कुछ छोटी बातें हैं परन्तु आपकी सफलता को खराब कर सकते हैं। साथ ही, परिवर्तन से बचें खासकर की 35 की उम्र के बाद।

### सौभाग्य व संतुष्टि:

आपको ईश्वर ने अत्युत्तम व्यावहारिक ज्ञान और अपनी आवश्यकता के प्रति स्पष्ट नजरिया दिया है। आप तार्किक एवं व्यावहारिक हैं। आप वातावरण में खुशहाली खोजते हैं और अपने विचार-क्षितिज को व्यापक बनाने से डरते नहीं हैं। आप भय को पहचानकर उसे दूर करने के रास्ते खोज लेते हैं। कृपया ध्यान रखें कि यदि आप सिर्फ अपने बारे में सोचेंगे, तो आपकी सफलता की संभावना बहुत कम होगी।

### जीवन शैली:

आपकी सफलता में आपके सहकर्मी प्रेरणा का काम करते हैं। अतः अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आप अन्य लोगों पर निर्भर रह सकते हैं।

# क्या आपकी कुंडली में राज योग है?

अभी खरीदें >



## ॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

### रोजगार:

क्योंकि आप धैर्यवान हैं और आप एक स्थिर कार्य चाहते हैं, इसलिये आपको जल्दबाजी की कोई आवश्यकता नहीं है। आपको बैंकिंग, सरकारी सेवा, बीमा क्षेत्र जैसे क्षेत्रों में भाग्य आजमाइश करनी चाहिए जहां पर परिवर्तन धीरे-धीरे एवं सुनिश्चित तौर पर होता हो। आप इस प्रकार के कार्य में न सिर्फ लम्बी दौड़ में बेहतर प्रदर्शन करेंगे बल्कि आपको उसके भीतर देखने का धैर्य और साहस भी है।

### व्यवसाय:

आप व्यापार के लिये उपयुक्त व्यक्ति नहीं है, क्योंकि इसके लिये एक विशेष प्रकार के स्वाभाव की आवश्यकता होती है जो आपके पास नहीं है। कई सारे कार्यक्षेत्र ऐसे हैं जहां पर रोज एक जैसे कार्य करने पड़ते हैं जोकि आपके कलात्मक स्वाभाव के विपरीत है। दूसरे शब्दों में, हालांकि आप इन दिशाओं में सफल नहीं होंगे, ऐसे कई कार्यक्षेत्र हैं जहां पर आप निश्चित रूप से बेहतर करेंगे। संगीत की कई ऐसी शाखाएं हैं जहां आप अपने आप को उपयुक्त पायेंगे। साहित्य और नाट्यकला आदि कुछ अन्य क्षेत्र हैं जहां के लिये आप उपयुक्त हैं। सामान्यतः आपके अन्दर कुछ श्रेष्ठ कार्यक्षेत्रों को अपनाने की क्षमता है। विधि एवं चिकित्सा क्षेत्र भी सम्भव है। परन्तु, चिकित्सा के बारे में एक बात विशेष ध्यान देने वाली है कि डॉक्टर होते हुए आपको कई ऐसे दुःखदायी दृश्यों को देखना पड़ेगा जो आपके संतुलित मिजाज को हिला देंगे।

### स्वास्थ्य:

स्वास्थ्य के मामले में आप भाग्यवान हैं। आप बेहतरीन शारीरिक-संरचना के स्वामी हैं। स्वास्थ्य सदैव आपका साथ देगा। परन्तु सर्दी जुकाम जैसी छोटी-छोटी परेशानियां कर सकती हैं। जैसे-जैसे आयु में वृद्धि होगी वैसे वैसे आप अपने को हिस्ट-पुष्ट व ताकतवर समझेंगे। तनाव से बचें। बिना डॉक्टरी परामर्श दवाओं का आपके ऊपर खासा खराब प्रभाव हो सकता है। आपको दीर्घायु व उपयोगी जीवन की प्राप्ति होगी।

विवाह विशेषज्ञ ज्योतिषियों से करें बात



पहली कॉल / चैट मुफ्त

अभी करें कॉल

## ॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

### रुचि:

आपकी अभिरुचियां एवं समय काटने के साधन थकावट भरे हैं। क्रिकेट, फुटबॉल और टेनिस आदि आपके पसन्द के खेल हैं। आप पूरे दिन कठोर परिश्रम करते हैं और शाम को टेनिस, गोल्फ, बैडमिंटन जैसे खेल खेलते हैं। आपकी एथलेटिक खेलों में भाग लेने में विशेष रुचि है। सम्भवतः आपने खेलों में कई पुरस्कार जीते होंगे। जहां तक कि खेलों का प्रश्न है, आपकी जीवन-ऊर्जा आश्चर्यजनक है।

### प्रेम आदि:

आप मैत्रीपूर्ण स्वभाव के हैं और अपनी मित्र मण्डली को खुशहाली के तौर पर देखते हैं। इन्हीं मित्रों में से एक ऐसा होगा, जो आपके लिये सब कुछ होगा और यही वह होगा जिससे आप विवाह करेंगे। आपका स्वभाव सहानुभूतिपूर्ण है। साथ ही साथ यह कहने के अनेक कारण हैं कि आपका वैवाहिक जीवन सुखद होगा। आप ऐसे व्यक्ति हैं, जोकि अपने घर व उसमें उपस्थित वस्तुओं के बारे में अत्यधिक सोचते हैं और आप इसे आरामदायक एवं स्वच्छ होने की उम्मीद करते हैं। घर में अव्यस्तता आपको बिल्कुल नहीं भाती है। आपके बच्चे आपके लिये बहुत कुछ हैं। आप उनके लिये कार्य करेंगे और आप उन्हें बेहतरीन शिक्षा तथा आनन्द देने का प्रयास करेंगे, जो कि अन्त में बेकार नहीं जाएगा।

### वित्त:

आपके जीवन में वित्त सम्बन्धी कई उतार-चढ़ाव आएंगे, मुख्यतः आपकी जल्दबाजी एवं अपनी क्षमता से अधिक का काम करने के कारण। आप एक सफल कम्पनी प्रमोटर, शिक्षक, वक्ता या आयोजक हो सकते हैं। आपके अन्दर सदैव से ही पैसा बनाने की क्षमता है, लेकिन साथ ही साथ इस दौरान आपके कई शत्रु बन सकते हैं। आपके व्यापार व उद्योग से अच्छी धनार्जन की उम्मीद है और आपके जीवन में असीम धनार्जन की अनेक अवसर आएंगे यदि आप अपनी इच्छा शक्ति पर काबू रखते हैं। जो कि समय-समय पर खर्चीले मुकदमों या आपके शक्तिशाली शत्रुओं की वजह से आपके हाथ से जा सकते हैं। अतः आपको लोगों के नियंत्रण की विद्या सीखने का प्रयास करना चाहिये एवं मतभेदों से भी बचना चाहिये।

**वार्षिक कुंडली 2024**  
नए साल की सटीक भविष्यवाणी

अभी ऑर्डर करें





## ॥ विस्तृत भविष्यफल ॥

### शिक्षा:

आप एक ऐसे व्यक्तित्व के स्वामी हैं जो सबसे अलग है। आप औरों लोगों से हटकर अपने जीवन को अलग तरीके से जीते हैं और जब बात आपकी शिक्षा की आती है तब भी आप ऐसा ही करते हैं। आप कई बार जल्दबाजी में भी बहुत चीजें सीखना चाहते हैं जो बाद में आपको परेशान करती हैं। हालांकि आपकी लेखन क्षमता बेहतर हो सकती है और आप लिखने में आनंद महसूस कर सकते हैं। आप अपनी गलतियों से सीखना पसंद करते हैं और सहजता से किसी भी कार्य में अपना सब कुछ लगा देते हैं। अपनी इसी विशेषता को आपको शिक्षा के क्षेत्र में भी लगाना चाहिए। कभी-कभी अपनी ही गलतियों के कारण आपको परेशानी उठानी पड़ सकती है और इसी वजह से आप की पढ़ाई में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आपको जीवन के अनुभवों से सीखने में आनंद आता है और यही बात आपको शिक्षा के क्षेत्र में छोटी-छोटी बातों से सीखने में सफलता देती है। आपके लिए आवश्यक है कि आप जो कुछ भी सीखते हैं उसे एक बार पुनः दोहराएँ ताकि वह आपकी स्मृतियों में अंकित हो जाए। शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियाँ का सामना करने के बाद ही सफलता प्राप्त हो सकती है।

**वार्षिक कुंडली 2024**  
**नए साल की सटीक भविष्यवाणी**

**अभी ऑर्डर करें**



## ॥ मंगलदोष विवेचन ॥

सामान्यतः मंगल दोष जन्म-कुण्डली में लग्न और चन्द्र से देखा जाता है।

आपकी कुण्डली में मंगल लग्न से एकादश भाव में स्थित है भाव में व चंद्र से द्वितीय भाव में है।

**अतः मंगल दोष न लग्न चार्ट में और न ही चंद्र चार्ट में उपस्थित है।**

ऐसा माना जाता है कि मंगल दोष वैवाहिक जीवन में समस्याएँ खड़ी करता है।

ऐसा माना जाता है कि अगर एक मांगलिक व्यक्ति दूसरे मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है तो मंगल दोष रद्द हो जाता है।

**ग्रह शांति (अगर मंगल दोष उपस्थित हो तो)**

**उपाय (विवाह से पहले किए जाने चाहिए)**

कुंभ विवाह, विष्णु विवाह और अश्वत्थ विवाह मंगल दोष के सबसे ज्यादा मान्य उपाय हैं। अश्वत्थ विवाह का मतलब है पीपल या बरगद के वृक्ष से विवाह कराकर, विवाह के पश्चात् उस वृक्ष को कटवा देना।

**उपाय (विवाह पश्चात् भी किए जा सकते हैं।)**

- 1) केसरिया गणपति अपने पूजा गृह में रखें एवं रोज उनकी पूजा करें।
- 2) हनुमान जी की पूजा करें और हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- 3) महामृत्युंजय का पाठ करें।

**उपाय (ये लालकिताब आधारित उपाय हैं जोकि विवाह पश्चात् किए जा सकते हैं)।**

- 1) चिड़ियों को कुछ मीठा खिलाएँ।
- 2) घर पर हाथी-दांत रखें।
- 3) बरगद के पेड़ की पूजा मीठे दूध से करें

नोट: हमारा सुझाव है कि इन उपायों को करने से पूर्व किसी योग्य ज्योतिषी की सलाह ले लें।



शनि संबंधित सभी समस्याओं का संपूर्ण समाधान

# शनि रिपोर्ट

**अभी खरीदें**



## ॥ साढे साती रिपोर्ट ॥

नाम	Anil
दिनांक	29/8/1994
समय	7:28:0
जन्म स्थान	Tarana
लिंग	Male
राशि	वृषभ
तिथि	अष्टमी
नक्षत्र	कृतिका

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
1	साढे साती	मेष	अप्रैल 18, 1998	जून 06, 2000	उदय
2	साढे साती	वृषभ	जून 07, 2000	जुलाई 22, 2002	शिखर
3	साढे साती	मिथुन	जुलाई 23, 2002	जनवरी 08, 2003	अस्त
4	साढे साती	वृषभ	जनवरी 09, 2003	अप्रैल 07, 2003	शिखर
5	साढे साती	मिथुन	अप्रैल 08, 2003	सितम्बर 05, 2004	अस्त
6	साढे साती	मिथुन	जनवरी 14, 2005	मई 25, 2005	अस्त
7	छोटी पनौती	सिंह	नवम्बर 01, 2006	जनवरी 10, 2007	
8	छोटी पनौती	सिंह	जुलाई 16, 2007	सितम्बर 09, 2009	
9	छोटी पनौती	धनु	जनवरी 27, 2017	जून 20, 2017	
10	छोटी पनौती	धनु	अक्टूबर 27, 2017	जनवरी 23, 2020	
11	साढे साती	मेष	जून 03, 2027	अक्टूबर 19, 2027	उदय

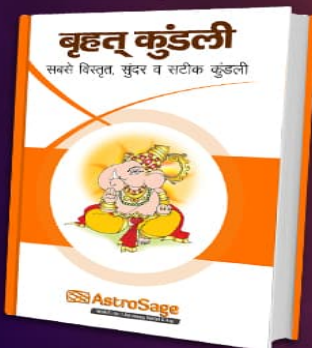
## ॥ साढे साती रिपोर्ट ॥

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
12	साढे साती	मेष	फरवरी 24, 2028	अगस्त 07, 2029	उदय
13	साढे साती	वृशभ	अगस्त 08, 2029	अक्टूबर 05, 2029	शिखर
14	साढे साती	मेष	अक्टूबर 06, 2029	अप्रैल 16, 2030	उदय
15	साढे साती	वृशभ	अप्रैल 17, 2030	मई 30, 2032	शिखर
16	साढे साती	मिथुन	मई 31, 2032	जुलाई 12, 2034	अस्त
17	छोटी पनौती	सिंह	अगस्त 28, 2036	अक्टूबर 22, 2038	
18	छोटी पनौती	सिंह	अप्रैल 06, 2039	जुलाई 12, 2039	
19	छोटी पनौती	धनु	दिसम्बर 08, 2046	मार्च 06, 2049	
20	छोटी पनौती	धनु	जुलाई 10, 2049	दिसम्बर 03, 2049	
21	साढे साती	मेष	अप्रैल 07, 2057	मई 27, 2059	उदय
22	साढे साती	वृशभ	मई 28, 2059	जुलाई 10, 2061	शिखर
23	साढे साती	मिथुन	जुलाई 11, 2061	फरवरी 13, 2062	अस्त
24	साढे साती	वृशभ	फरवरी 14, 2062	मार्च 06, 2062	शिखर
25	साढे साती	मिथुन	मार्च 07, 2062	अगस्त 23, 2063	अस्त
26	साढे साती	मिथुन	फरवरी 06, 2064	मई 09, 2064	अस्त
27	छोटी पनौती	सिंह	अक्टूबर 13, 2065	फरवरी 03, 2066	
28	छोटी पनौती	सिंह	जुलाई 03, 2066	अगस्त 29, 2068	
29	छोटी पनौती	धनु	जनवरी 17, 2076	जुलाई 10, 2076	



## ॥ साढे साती रिपोर्ट ॥

क्रम संख्या	साढे साती / पनौती	शनि राशि	आरंभ दिनांक	अंत दिनांक	चरण
30	छोटी पनौती	धनु	अक्टूबर 12, 2076	जनवरी 14, 2079	
31	साढे साती	मेष	मई 22, 2086	नवम्बर 09, 2086	उदय
32	साढे साती	मेष	फरवरी 08, 2087	जुलाई 17, 2088	उदय
33	साढे साती	वृशभ	जुलाई 18, 2088	अक्टूबर 30, 2088	शिखर
34	साढे साती	मेष	अक्टूबर 31, 2088	अप्रैल 05, 2089	उदय
35	साढे साती	वृशभ	अप्रैल 06, 2089	सितम्बर 18, 2090	शिखर
36	साढे साती	मिथुन	सितम्बर 19, 2090	अक्टूबर 24, 2090	अस्त
37	साढे साती	वृशभ	अक्टूबर 25, 2090	मई 20, 2091	शिखर
38	साढे साती	मिथुन	मई 21, 2091	जुलाई 02, 2093	अस्त
39	छोटी पनौती	सिंह	अगस्त 19, 2095	अक्टूबर 11, 2097	
40	छोटी पनौती	सिंह	मई 03, 2098	जून 19, 2098	
41	छोटी पनौती	धनु	नवम्बर 30, 2105	फरवरी 24, 2108	
42	छोटी पनौती	धनु	जुलाई 29, 2108	नवम्बर 22, 2108	



**बृहत् कुंडली**  
अब तक की सबसे विस्तृत कुंडली  
250+ पृष्ठ | ₹2100 ₹399 सिर्फ

अभी ऑर्डर करें

## ॥ साढ़े साती रिपोर्ट ॥

### शनि साढ़े साती: उदय चरण

यह शनि साढ़े साती का आरम्भिक दौर है। इस दौरान शनि चन्द्र से बारहवें भाव में स्थित होगा। आम तौर पर यह आर्थिक हानि, छुपे हुए शत्रुओं से नुकसान, नुरुद्देश्य यात्रा, विवाद और निर्धनता को दर्शाता है। इस कालखण्ड में आपको गुप्त शत्रुओं द्वारा पैदा की हुई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सहकर्मियों से संबंध अच्छे नहीं रहेंगे और वे आपके कार्यक्षेत्र में बाधाएँ खड़ी कर सकते हैं। घरेलू मामलों में भी आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिसके चलते तनाव और दबाव की स्थिति पैदा होगी। आपको अपने खर्चों पर नियन्त्रण करने की आवश्यकता है, अन्यथा आप अधिक बड़े आर्थिक संकट में फँस सकते हैं। इस दौरान लम्बी दूरी की यात्राएँ फलदायी नहीं रहेंगी। शनि का स्वभाव विलम्ब और तनाव पैदा करने का है। हालाँकि अन्ततः आपको परिणाम जरूर मिलेगा। इसलिए धैर्य रखें और सही समय की प्रतीक्षा करें। इस दौर को सीखने का समय समझें और कड़ी मेहनत करें, परिस्थितियाँ स्वतः सही होती चली जाएंगी। इस समय व्यवसाय में कोई भी बड़ा खतरा या चुनौती न मोल लें।

### शनि साढ़े साती: शिखर चरण

यह शनि साढ़े साती का चरम है। प्रायः यह दौर सबसे मुश्किल होता है। इस समय चन्द्र पर गोचर करता हुआ शनि स्वास्थ्य-संबंधी समस्या, चरित्र-हनन की कोशिश, रिश्तों में दरार, मानसिक अशान्ति और दुःख की ओर संकेत करता है। इस दौरान आप सफलता पाने में कठिनाई महसूस करेंगे। आपको अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम नहीं मिलेगा और खुद को बंधा हुआ अनुभव करेंगे। आपकी सेहत और प्रतिरक्षा-तन्त्र पर्याप्त सशक्त नहीं होंगे। क्योंकि पहला भाव स्वास्थ्य को दर्शाता है इसलिए आपको नियमित व्यायाम और अपनी सेहत का खास खयाल रखने की जरूरत है, नहीं तो आप संक्रामक रोगों की चपेट में आ सकते हैं। साथ ही आपको मानसिक अवसाद और अज्ञात भय या फोबिया आदि का सामना भी करना पड़ सकता है। संभव है कि इस काल-खण्ड में आपकी सोच, कार्य और निर्णय करने की क्षमता में स्पष्टता का अभाव रहे। संतोषपूर्वक परिस्थितियों को स्वीकार करना और मूलभूत काम ठीक तरह से करना आपको इस संकट की घड़ी से निकाल सकता है।

### शनि साढ़े साती: अस्त चरण

यह शनि साढ़े साती का अन्तिम चरण है। इस समय शनि चन्द्र से दूसरे भाव में गोचर कर रहा होगा, जो व्यक्तिगत और वित्तीय मोर्चे पर कठिनाइयों को इंगित करता है। साढ़े साती के दो मुश्किल चरणों से गुजरने के बाद आप कुछ राहत महसूस करने लगेंगे। फिर भी इस दौरान गलतफहमी आर्थिक दबाव देखा जा सकता है। व्यय में वृद्धि होगी और आपको इसपर लगाम लगाने की अब भी जरूरत है। अचानक हुई आर्थिक हानि और चोरी की संभावना को भी इस दौरान नहीं नकारा जा सकता है। आपकी सोच नकारात्मक हो सकती है। आपको उत्साह के साथ परिस्थितियों का सामना करना चाहिए। आपको व्यक्तिगत और पारिवारिक तौर पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, नहीं तो बड़ी परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं। विद्यार्थियों के लिए पढ़ाई-लिखाई पर थोड़ा नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है और उन्हें पिछले स्तर पर बने रहने के लिए अधिक परिश्रम की जरूरत होगी। परिणाम धीरे-धीरे और प्रायः हमेशा विलम्ब से प्राप्त होंगे। यह काल-खण्ड खतरे को भी दर्शाता है, अतः गाड़ी चलाते समय विशेष सावधानी अपेक्षित है। यदि संभव हो तो मांसाहार और मदिरापान से दूर रहकर शनि को प्रसन्न रखें। यदि आप समझदारी से काम लेंगे, तो घरेलू व आर्थिक मामलों में आने वाली परेशानियों को भली-भांति हल करने में सफल रहेंगे।

**नोट:** उपर्युक्त भविष्यवाणियाँ सामान्य प्रकृति की हैं और आम धारणाओं पर आधारित हैं, जिसके अनुसार साढ़े साती अनिष्टकारक होती है। किन्तु हमारे अनुभव के अनुसार प्रत्येक स्थिति में ऐसा नहीं होता है और हम पाठकों से यह आलेख पढ़ने का अनुरोध करते हैं। सिर्फ साढ़े साती के आधार पर कोई भी निष्कर्ष निकालना सही नहीं है और उसके गलत होने की काफी संभावना रहती है। साढ़े साती की अवधि अच्छी रहेगी या बुरी, यह तय करने से पहले कुछ अन्य चीजों जैसे वर्तमान में चल रही दशा और शनि के स्वभाव आदि के विश्लेषण की भी आवश्यकता होती है। आपको सलाह दी जाती है कि उपर्युक्त फलकथन को गंभीरता से न लें और यदि आपके मन में कुछ शंका है, तो किसी अच्छे ज्योतिषी से परामर्श लें।

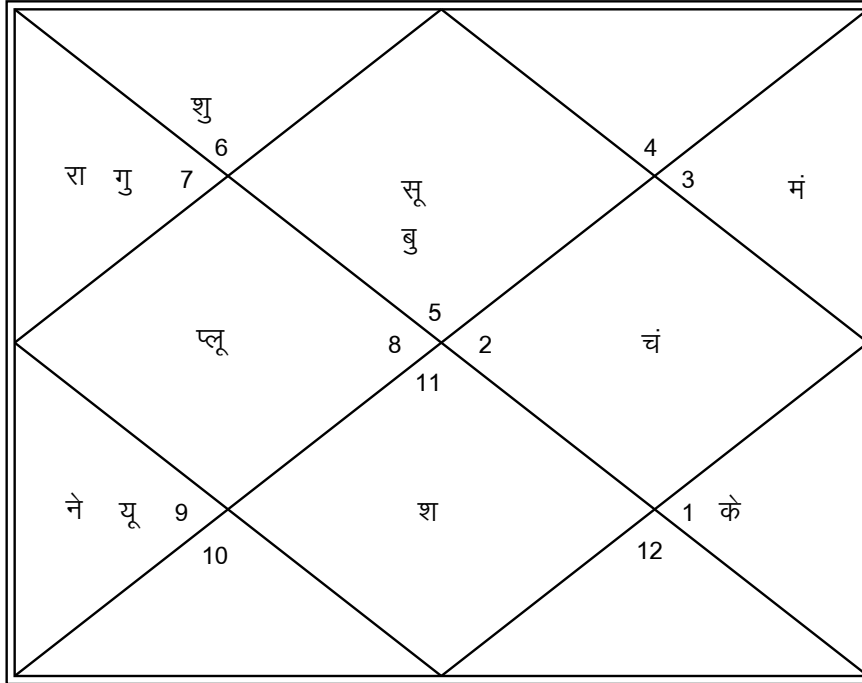
## ॥ कालसर्प दोष ॥

### कालसर्प दोष – योग

प्रचलित परिभाषा के अनुसार जब जन्म कुंडली में सम्पूर्ण ग्रह राहु और केतु ग्रह के बीच स्थित हों तो ऐसी स्थिति को ज्योतिषी कालसर्प दोष का नाम देते हैं। वर्तमान में इस दोष की चर्चा ज्योतिषियों के मध्य जोरों पर है। किसी भी जातक के जीवन में कोई भी परेशानी हो और उसकी कुण्डली में यह योग या दोष हो तो अन्य पहलुओं का परीक्षण किए बगैर बहुधा ज्योतिषी यह निष्कर्ष सुना देते हैं कि संबंधित जातक पर आने वाली उक्त प्रकार की परेशानियां कालसर्प योग के कारण हो रही हैं। परंतु वास्तविकता यह है कि यदि कुण्डली में अन्य ग्रहों की स्थितियां ठीक हों तो अकेला कालसर्प दोष नुकसानदायी नहीं होता। बल्कि वह अन्य ग्रहों के शुभफलदायी होने पर यह दोष योग की तरह काम करता है और उन्नति में सहायक होता है। वहीं अन्य ग्रहों के अशुभफलदायी होने पर यह अशुभफलों में वृद्धि करता है। अतः मात्र कालसर्प दोष का नाम सुनकर भयभीत होना ठीक नहीं है बल्कि इसका ज्योतिषीय विश्लेषण करवाकर उससे मिलने वाले प्रभावों और दुष्प्रभावों की जानकारी लेकर उचित उपाय करना श्रेयष्कर होगा। इस मामले में सबसे ज्यादा ध्यान देने वाली बात यह है कि इस योग का असर अलग-अलग जातकों पर अलग-अलग प्रकार से देखने को मिलता है। क्योंकि इसका असर किस भाव में कौन सी राशि स्थित है और उसमें कौन-कौन ग्रह बैठे हैं और उनका बलाबल कितना है, इन विन्दुओं के आधार पर पड़ता है। साथ ही कालसर्प दोष या योग किन-किन भावों के मध्य बन रहा है, इसके अनुसार भी इस दोषयोग का असर पड़ता है। भाव स्थिति के अनुसार इस योग या दोष को बारह प्रकार का माना गया है।

**परिणाम:** आपकी कुण्डली कालसर्प दोष – योग से मुक्त है।

### लग्न चक्र:



## ज्योतिषीय परामर्श लें

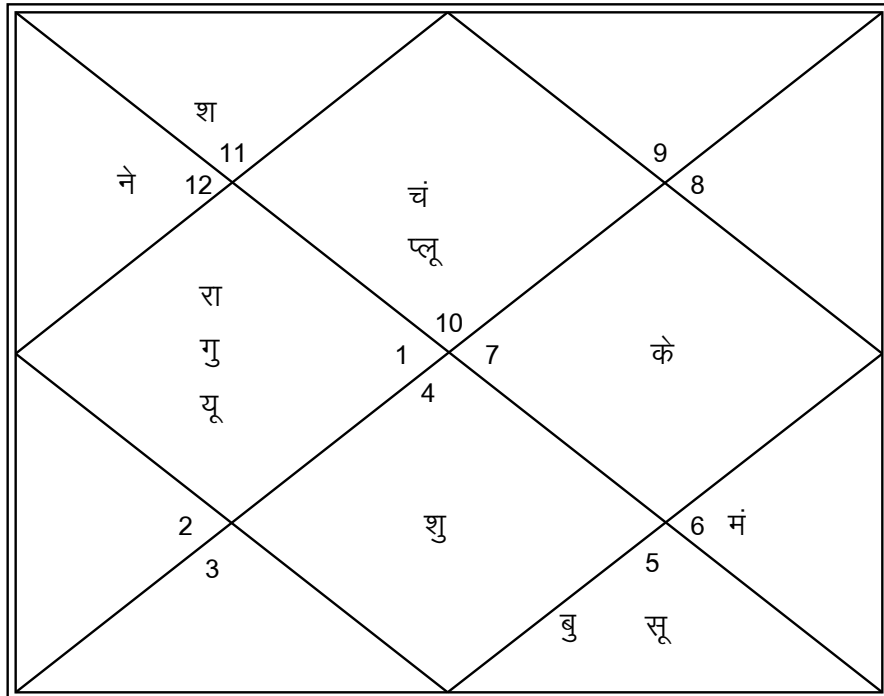
हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषियों से

अभी परामर्श लें >

## ॥ वर्षफल विवरण ॥

जन्म		वर्ष
Male	लिंग	Male
29 / 8 / 1994	जन्म दिनांक	29 / 8 / 2023
7:28:0	जन्म समय	17:53:50
सोमवार	जन्म दिन	मंगलवार
Tarana	जन्म स्थान	Tarana
23	अक्षांश	23
76	रेखांश	76
00 : 25 : 56	स्थानीय समय संशोधन	00 : 25 : 56
00 : 00 : 00	युद्ध कालिक संशोधन	00 : 00 : 00
07 : 02 : 04	स्थानीय औसत समय	17 : 27 : 53
06 : 06 : 49	सूर्योदय	06 : 06 : 51
18 : 47 : 06	सूर्यास्त	18 : 47 : 09
सिंह	लग्न	मकर
सूर्य	लग्नस्वामी	शनि
वृषभ	राशि	मकर
शुक्र	राशि स्वामी	शनि
कृतिका	नक्षत्र	श्रवण
सूर्य	नक्षत्र स्वामी	चंद्र
व्याघात	योग	शोभन
बालव	करण	गर
कन्या	सूर्य राशि (पाश्चात्य)	कन्या
023-46-55	अयनांश	024-11-13
लाहिरी	अयनांश नाम	लाहिरी

## ताजिक वर्षफल कुण्डली





## ॥ वर्षफल विवरण ॥

### मुन्था: 1 भाव

यह एक अनुकूल स्थिति है। आपको बेहतर कॅरिअर संभावनाएं और चतुर्मुख उन्नति के अवसर मिलेंगे। अपने विरोधियों को परास्त करने में आप सक्षम होंगे। आपका मान बढ़ेगा। आपको बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त होगा और आर्थिक दृष्टि से आप अधिक समृद्ध होंगे।

### अगस्त 29, 2023 – सितम्बर 20, 2023 दशा मंगल

#### मंगल भाव संख्या 9

बड़े बूढ़ों से सहयोग प्राप्त करेंगे। सुदूर स्थलों तक की गई लम्बी यात्राएं सफलदायक सिद्ध होंगी। आमदनी बढ़ेगी और आय के नये स्रोत प्राप्त होंगे। यद्यपि खर्चे भी बढ़ेंगे लेकिन आमदनी से अधिक नहीं होंगे। सट्टे के द्वारा आय होने की भी संभावना है। इस समय का पूरा सदुपयोग करें।

### सितम्बर 20, 2023 – नवम्बर 13, 2023 दशा राहु

#### राहु भाव संख्या 4

प्रयासों में असफलता मिलने के कारण मानसिक वेदना बढ़ेगी। मालिकों, वरिष्ठ अधिकारियों के रोष के भाजन होंगे। पारिवारिक वातावरण भी सौहार्दपूर्ण नहीं रहेगा। यात्राएं कष्ट दायक हो सकती हैं। मां बाप से निबाह मुश्किल प्रतीत होगा। अवांछित साधनों से शीघ्र पैसा कमाने का प्रयत्न न करें। नौकरी या काम के हालात संतोषप्रद नहीं साबित होंगे। मित्रों और सहयोगियों से झगड़ें हो सकते हैं। स्वास्थ्य संबंधी परेशानी भी रहेगी। अपना हर काम सलीके से करने का प्रयत्न करें। दुर्घटना होने की भी संभावना रहेगी। विपरीत परिस्थितियों को बुद्धिमता से झेलने का विश्वास अपने अन्दर पैदा करें क्योंकि इसकी काफी जरूरत पेश आयेगी।

### नवम्बर 13, 2023 – जनवरी 01, 2024 दशा गुरु

#### गुरु भाव संख्या 4

इस अवधि में जीवन व्यापन सुविधा सम्पन्न रहेगा। पारिवारिक सुख प्राप्त करेंगे। सम्पत्ति पर धन व्यय होगा। घर की वस्तुओं चल अचल सम्पत्ति आदि पर व्यय होगा तथा व्यापार/व्यवसाय के विकास पर भी धन व्यय करेंगे। अचानक व अयाचित लाभ प्राप्त करेंगे। बड़ें अफसरों और शक्तिवान व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। आपकी ख्याति और सम्मान में इजाफा होगा। व्यापार में बदलाव या नौकरी की पदोन्नति की संभावना है। धर्म के प्रति आपका झुकाव रहेगा और पवित्र स्थलों की यात्रा करेंगे। इस पूरी अवधि में दिमाग सान्कूल रहेगा और सुख भोगेंगे।

### जनवरी 01, 2024 – फरवरी 28, 2024 दशा शनि

#### शनि भाव संख्या 2

इस अवधि में कुछ आर्थिक परेशानियां सामने आएंगी। आमदनी भी ठीक नहीं रहेगी। परिवारजनों की अपेक्षाएं पूरी नहीं होंगी। अपने लोगों से आपकी पटेगी नहीं। रोजमर्रा के जीवन में आपको सावधान रहने की आवश्यकता है। नए उद्यमों से इस अवधि में सम्बद्ध न हों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर बिना देखे दस्तखत न करें। जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाए। मां बाप का स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा।

## ॥ वर्षफल विवरण ॥

**फरवरी 28, 2024 – अप्रैल 19, 2024 दशा बुध**

**बुध भाव संख्या 8**

प्रयत्नों के बावजूद असफलता आपको निराश करेगी। आपको बहुत मेहनत करनी पड़ेगी क्योंकि काम का बोझ बहुत रहेगा। छोटी छोटी बातों को लेकर विवाद बढ़ने की संभावना है। बेकार के व अमहत्वपूर्ण कामों में आप अपनी शक्ति और समय व्यय करेंगे। जल्दी धन कमाने की अपनी प्रवृत्ति पर अंकुश लगायें। स्वास्थ्य ठीक न होने के कारण कुछ काम आप नहीं कर पायेंगे। पारिवारिक जीवन में तनावग्रस्त रहेंगे। वैसे इस अवधि में गूढ़ एवं परामनोवैज्ञानिक अनुभव आपको प्राप्त होंगे। बेकार की यात्राओं से बचें।

**अप्रैल 19, 2024 – मई 11, 2024 दशा केतु**

**केतु भाव संख्या 10**

आप परिणामों के प्रति बहुत अधिक आशावादी रहेंगे। फिर भी व्यापार वृद्धि की संभावनाएं अच्छी रहेंगी। महत्वपूर्ण व्यक्तियों के साथ सम्पर्कों में बढ़ोत्तरी होगी। नौकरी के हालात में सुधार होगा। बार बार यात्रा करने की संभावना रहेगी। आपका मष्तिष्क नये परिवर्तन लाने और नये सृजन करने की विचार धाराओं से अभिभूत रहेगा। लेकिन इनका मूर्त रूप देने से पहले नये परिवर्तनों की अच्छाई और बुराई का अच्छी तरह विश्लेषण करें। वैसे घर के मामलें आपके ध्यान की काफी मांग करेंगे। परिवारजनों की बीमारियां मानसिक रूप से आपको काफी चिन्ताग्रस्त रख सकती हैं।

**मई 11, 2024 – जुलाई 11, 2024 दशा शुक**

**शुक भाव संख्या 7**

इस अवधि में आपका सौजन्यता पूर्ण व्यवहार रहेगा और आप मनमुटाव से बचेंगे। एक आनन्द दायक यात्रा की प्रबल संभावना है। स्त्री वर्ग का भी साथ रहेगा। संगति व अन्य ललित कलाओं सुगंध एवम् सौन्दर्यपूर्ण वस्तुओं की ओर आपका झुकाव रहेगा। अपने व्यवसाय और व्यापार में आप बहुत अच्छा काम करेंगे। अपने प्रयत्नों से आय वृद्धि प्राप्त करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। छोटी मोटी बीमारियां हो सकती हैं। आपका मिलनसार स्वभाव होगा और कई लोगों के सम्पर्क में आयेंगे।

**जुलाई 11, 2024 – जुलाई 29, 2024 दशा सूर्य**

**सूर्य भाव संख्या 8**

अचानक समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। संबंधियों से व्यवहार अच्छा रखें नहीं तो बेवजह झगड़े होंगे। स्वास्थ्य का ख्याल रखें। लम्बी अवधि के लिये बीमार रहने की आशंका रहेगी। अनैतिक कार्यों में प्रवृत्ति न होईये तथा सन्देहास्पद सौदों से बचें। महत्वपूर्ण कागजों पर दस्तखत करने से पहले कागज अच्छी तरह पढ़ें।

**जुलाई 29, 2024 – अगस्त 28, 2024 दशा चन्द्र**

**चन्द्र भाव संख्या 1**

इस अवधि में भी मिले जुले फल मिलेंगे। कई अच्छे अवसर मिलेंगे पर आप उनका पूरा उपयोग नहीं कर पायेंगे। स्वास्थ्य के कारण परेशान रहेंगे। मित्र, परिवार और सहयोगियों के साथ बर्ताव में सर्तक रहें। यात्राएं सफलदायक नहीं होंगी इसलिये उनसे बचें। मां बाप का रुग्ण स्वास्थ्य चिन्ताग्रस्त रखेगा।

## ॥ विंशोत्तरी महादशा फल ॥

### सूर्य महादशा फल (जन्म से नवम्बर 7, 1994)

#### सूर्य सिंह आपके प्रथम भाव में स्थित है:

इस अवधि में जीवन के प्रति आपका धनात्मक दृष्टिकोण रहेगा और आप में जरूरत से अधिक आत्मविश्वास रहेगा। सार्वजनिक क्षेत्र या सरकार में आप कोई महत्वपूर्ण पद संभालेंगे या सत्ता प्राप्त करेंगे। छोटी अवधि की यात्राएं करेंगे जो आपकी कड़ी मेहनत के कारण सफलदायक होंगी। सामाजिक संस्थानों को आप खुलकर दान देंगे। स्वास्थ्य बुरा रह सकता है तथा परिवार में भी बीमारियां फैल सकती हैं।

### चन्द्र महादशा फल (नवम्बर 7, 1994 से नवम्बर 7, 2004)

#### चन्द्र वृषभ आपके दशम भाव में स्थित है:

आप अपने ही विचारों और योजनाओं को रचनात्मक रूप दे सकेंगे। नौकरी या व्यापार से संबंधित कुछ ठोस परिणाम सामने आयेंगे। आपको सारे ही उद्यमों में सफलता निश्चित है। अपने से वरिष्ठ लोगों या पर्यवेक्षकों के साथ अति मधुर संबंध रहेंगे। इस समय का पूरा सदुपयोग कीजिये।

### मंगल महादशा फल (नवम्बर 7, 2004 से नवम्बर 7, 2011)

#### मंगल मिथुन आपके एकादश भाव में स्थित है:

मित्रों और सहयोगियों से आपको लाभ मिलेगा। बहु प्रतीक्षित इच्छाओं और आंकाक्षाओं की पूर्ति होगी और लम्बी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। आमदनी में काफी बढ़ोत्तरी होना सुनिश्चित है। विलास सामग्री एवम् अन्य चीजों पर आप व्यय करेंगे। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा।

### राहू महादशा फल (नवम्बर 7, 2011 से नवम्बर 7, 2029)

#### राहू तुला आपके तृतीय भाव में स्थित है:

अपनी उद्यम शक्ति और महती ऊर्जा के द्वारा आप किसी भी काम को बहुत अच्छे तरीके से पूरा करने में सक्षम रहेंगे। आपके उद्देश्य की दृढ़ता सराही जायेगी। अपनी दृढ़ इच्छा शक्ति के कारण विपरीत परिस्थिति में भी आपको मति भ्रम नहीं होगा और सही काम करेंगे। आपका सामाजिक दायरा बढ़ेगा और आपकी प्रतिष्ठा में भी बढ़ोत्तरी होगी। काफी भ्रमण करना पड़ेगा। भाई बहिनों से संबंध अच्छे रहेंगे। संचार माध्यम द्वारा आपको उत्साहवर्धक समाचार मिलेगा। व्यापार और लेन देन के सौदों की बहुत अच्छे रहने की संभावना है। अगर नौकरी में हैं तो शीघ्र पदोन्नति होनी चाहिये।

### गुरु महादशा फल (नवम्बर 7, 2029 से नवम्बर 7, 2045)

#### गुरु तुला आपके तृतीय भाव में स्थित है:

इस अवधि में आपके क्रियाकलाप प्रशंसा के हकदार होंगे और आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपका आत्मविश्वास बढ़ा चढ़ा रहेगा। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। छोटी यात्राएं सफलदायक रहेंगी। पारिवारिक उत्थान के लिये आप कुछ महत्वपूर्ण कार्य करना चाहेंगे। अगर आप शादी शुदा हैं तो वैवाहिक जीवन सुखद रहेगा। सहयोगियों और भागीदारों से खूब पटेगी। किसी बुजुर्ग से आप सहारा प्राप्त करेंगे। छोटे मोटे रोगों के उभरने की भी संभावना है।

## ॥ विंशोत्तरी महादशा फल ॥

**शनि महादशा फल (नवम्बर 7, 2045 से नवम्बर 7, 2064)**

**शनि कुंभ आपके सप्तम भाव में स्थित है:**

यह अच्छा समय नहीं है क्योंकि आपके भागीदार या सहयोगी आपको नीचा दिखाएंगे। औरों की लापरवाही और असफलताओं से आप चिन्तित रहेंगे। रोजमर्रा के कामों में भी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। बेबुनियाद इल्जाम आपके सर मंडे जाएंगे। छोटे मोटे झंझट या विवादों से बचें। स्त्री वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। जहां तक संभव हो फालतू की यात्रा कम करें। व्यापार के बड़े बड़े निर्णय लेने या विकास की योजनाओं पर ध्यान देने के लिए यह आवश्यक है कि आप पूरी जांच परख करके ही ऐसा करें।

**बुध महादशा फल (नवम्बर 7, 2064 से नवम्बर 7, 2081)**

**बुध सिंह आपके प्रथम भाव में स्थित है:**

इस अवधि में आप अति सुखी रहेंगे। अपनी प्रतिभा योग्यता और निपुणता के बल पर अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। महत्वपूर्ण विद्वानों के सम्पर्क में आयेंगे। आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढ़ेगी। पारिवारिक जीवन संतोषप्रद रहेगा। अपनी महत्वाकांक्षाएं प्राप्त करने के लिये आप कड़ा प्रयत्न करेंगे। साधारण तौर पर आप सफल व्यक्ति समझे जायेंगे। यद्यपि काम का बोझ बहुत रहेगा और थकान होगी। स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा।

**केतु महादशा फल (नवम्बर 7, 2081 से नवम्बर 7, 2088)**

**केतु मेष आपके नवम भाव में स्थित है:**

किसी संस्थान के प्रमुख व्यक्ति के आप सम्पर्क में आयेंगे। औरों के प्रति जनकल्याण की भावना से काम करने की प्रवृत्ति होगी। किसी नयी सृजनात्मक उपलब्धि के कारण आपको मान्यता मिल सकती है। वैसे इस अवधि में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सम्मान में इजाफा होगा। आप अति सम्मानीय व्यक्ति समझे जायेंगे। यात्रा का बहुत महत्व होगा। आपकी धर्म एवम् अध्यात्म की ओर झुकने की प्रवृत्ति में भावनात्मक गहराई का समावेश होगा। पारिवारिक जीवन हर्षोल्लास से सम्पन्न रहेगा। परिवार में कोई मंगल कृत्य होगा। इस अवधि का पूरा लाभ उठाने का प्रयत्न करें।

**शुक्र महादशा फल (नवम्बर 7, 2088 से नवम्बर 7, 2108)**

**शुक्र कन्या आपके द्वितीय भाव में स्थित है:**

परिवारजनों के साथ आप अच्छा निबाह कर सकेंगे। आप परिस्थितियों का बड़ी चतुरता से सामना करेंगे। आय में वृद्धि होनी चाहिए। संदेहास्पद साधनों या गलत तरीकों से भी आपके पास पैसा आयेगा। परिवार में किसी शुभ कृत्य का आयोजन होगा। स्त्री वर्ग का साथ आपको रुचिकर लगेगा। महंगे और स्वादिष्ट भोजन के लिये आपका स्वाद जागृत होगा। घर की चीजों के लिये आप पैसा खर्च कर सकते हैं। घर पर सब लोग इकट्ठे होंगे।



## ॥ योगिनी दशा ॥

उल् 6 वर्ष	
आरम्भ	6.10.89
अंत	5.11.94
उल्	6.10.89
सि	6.12.90
सं	5. 4.92
मं	5. 6.92
पिं	5.10.92
ध	5. 4.93
भ्र	5.12.93
भद्रि	5.11.94

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	5.11.94
अंत	5.11.01
सि	15. 2.96
सं	4. 9.97
मं	14.11.97
पिं	3. 4.98
ध	3.11.98
भ्र	13. 8.99
भद्रि	2. 8.00
उल्	5.11.01

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	5.11.01
अंत	5.11.09
सं	12. 7.03
मं	2.10.03
पिं	12. 3.04
ध	12.11.04
भ्र	2.10.05
भद्रि	12.11.06
उल्	13. 3.08
सि	5.11.09

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	5.11.09
अंत	5.11.10
मं	13.10.09
पिं	2.11.09
ध	2.12.09
भ्र	12. 1.10
भद्रि	4. 3.10
उल्	4. 5.10
सि	14. 7.10
सं	5.11.10

पिं 2 वर्ष	
आरम्भ	5.11.10
अंत	5.11.12
पिं	14.11.10
ध	14. 1.11
भ्र	3. 4.11
भद्रि	13. 7.11
उल्	13.11.11
सि	2. 4.12
सं	12. 9.12
मं	5.11.12

ध 3 वर्ष	
आरम्भ	5.11.12
अंत	5.11.15
ध	2. 1.13
भ्र	2. 5.13
भद्रि	2.10.13
उल्	2. 4.14
सि	1.11.14
सं	1. 7.15
मं	1. 8.15
पिं	5.11.15

भ्र 4 वर्ष	
आरम्भ	5.11.15
अंत	5.11.19
भ्र	11. 3.16
भद्रि	1.10.16
उल्	1. 6.17
सि	11. 3.18
सं	31. 1.19
मं	10. 3.19
पिं	30. 5.19
ध	5.11.19

भद्रि 5 वर्ष	
आरम्भ	5.11.19
अंत	5.11.24
भद्रि	9. 6.20
उल्	9. 4.21
सि	29. 3.22
सं	9. 5.23
मं	29. 6.23
पिं	9.10.23
ध	9. 3.24
भ्र	5.11.24

उल् 6 वर्ष	
आरम्भ	5.11.24
अंत	5.11.30
उल्	29. 9.25
सि	28.11.26
सं	29. 3.28
मं	29. 5.28
पिं	29. 9.28
ध	29. 3.29
भ्र	29.11.29
भद्रि	5.11.30

सि 7 वर्ष	
आरम्भ	5.11.30
अंत	5.11.37
सि	8. 2.32
सं	28. 8.33
मं	7.11.33
पिं	27. 3.34
ध	27.10.34
भ्र	6. 8.35
भद्रि	26. 7.36
उल्	5.11.37

सं 8 वर्ष	
आरम्भ	5.11.37
अंत	5.11.45
सं	6. 7.39
मं	26. 9.39
पिं	7. 3.40
ध	7.11.40
भ्र	27. 9.41
भद्रि	6.11.42
उल्	7. 3.44
सि	5.11.45

मं 1 वर्ष	
आरम्भ	5.11.45
अंत	5.11.46
मं	7.10.45
पिं	27.10.45
ध	27.11.45
भ्र	6. 1.46
भद्रि	26. 2.46
उल्	26. 4.46
सि	6. 7.46
सं	5.11.46

## ॥ योगिनी दशा ॥

पिं	2 वर्ष
आरम्भ	5.11.46
अंत	5.11.48
पिं	5.11.46
ध	5. 1.47
भ्र	25. 3.47
भद्रि	5. 7.47
उल्	5.11.47
सि	25. 3.48
सं	4. 9.48
मं	5.11.48

ध	3 वर्ष
आरम्भ	5.11.48
अंत	5.11.51
ध	24.12.48
भ्र	24. 4.49
भद्रि	24. 9.49
उल्	24. 3.50
सि	24.10.50
सं	24. 6.51
मं	24. 7.51
पिं	5.11.51

भ्र	4 वर्ष
आरम्भ	5.11.51
अंत	5.11.55
भ्र	5. 3.52
भद्रि	25. 9.52
उल्	25. 5.53
सि	7. 3.54
सं	27. 1.55
मं	9. 3.55
पिं	29. 5.55
ध	5.11.55

भद्रि	5 वर्ष
आरम्भ	5.11.55
अंत	5.11.60
भद्रि	8. 6.56
उल्	8. 4.57
सि	28. 3.58
सं	8. 5.59
मं	28. 6.59
पिं	8.10.59
ध	8. 3.60
भ्र	5.11.60

उल्	6 वर्ष
आरम्भ	5.11.60
अंत	5.11.66
उल्	28. 9.61
सि	27.11.62
सं	28. 3.64
मं	28. 5.64
पिं	28. 9.64
ध	28. 3.65
भ्र	28.11.65
भद्रि	5.11.66

सि	7 वर्ष
आरम्भ	5.11.66
अंत	5.11.73
सि	7. 2.68
सं	27. 8.69
मं	6.11.69
पिं	26. 3.70
ध	26.10.70
भ्र	5. 8.71
भद्रि	25. 7.72
उल्	5.11.73

सं	8 वर्ष
आरम्भ	5.11.73
अंत	5.11.81
सं	5. 7.75
मं	25. 9.75
पिं	6. 3.76
ध	6.11.76
भ्र	26. 9.77
भद्रि	5.11.78
उल्	6. 3.80
सि	5.11.81

मं	1 वर्ष
आरम्भ	5.11.81
अंत	5.11.82
मं	6.10.81
पिं	26.10.81
ध	26.11.81
भ्र	5. 1.82
भद्रि	25. 2.82
उल्	25. 4.82
सि	5. 7.82
सं	5.11.82

पिं	2 वर्ष
आरम्भ	5.11.82
अंत	5.11.84
पिं	4.11.82
ध	4. 1.83
भ्र	24. 3.83
भद्रि	4. 7.83
उल्	4.11.83
सि	24. 3.84
सं	3. 9.84
मं	5.11.84

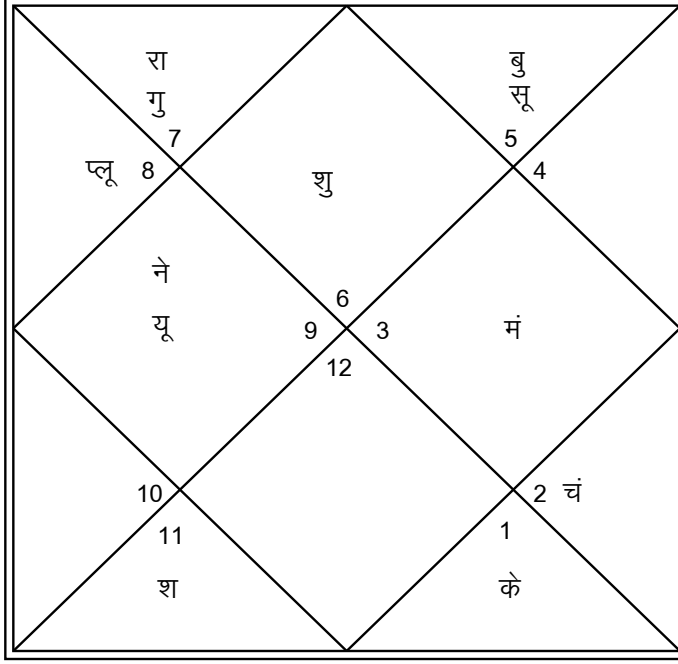
ध	3 वर्ष
आरम्भ	5.11.84
अंत	5.11.87
ध	23.12.84
भ्र	23. 4.85
भद्रि	23. 9.85
उल्	23. 3.86
सि	23.10.86
सं	23. 6.87
मं	23. 7.87
पिं	5.11.87

भ्र	4 वर्ष
आरम्भ	5.11.87
अंत	5.11.91
भ्र	4. 3.88
भद्रि	24. 9.88
उल्	24. 5.89
सि	6. 3.90
सं	26. 1.91
मं	8. 3.91
पिं	28. 5.91
ध	5.11.91

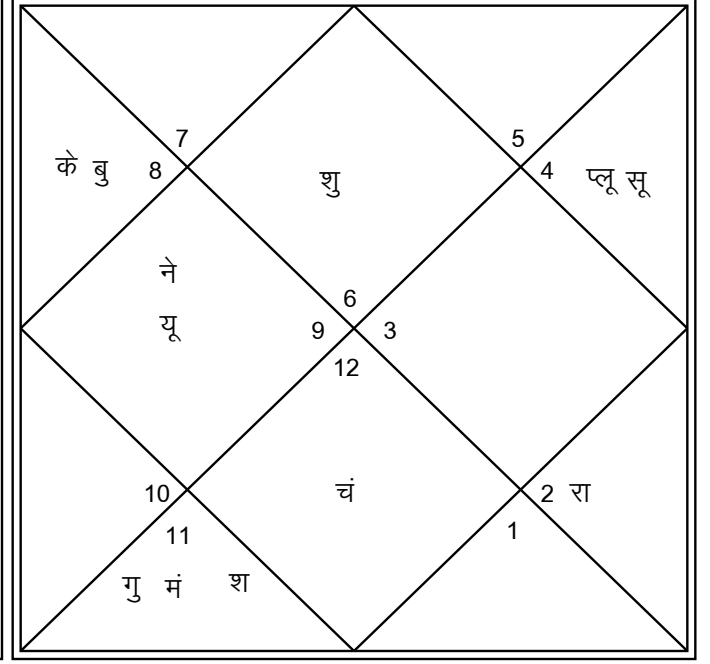
भद्रि	5 वर्ष
आरम्भ	5.11.91
अंत	5.11.96
भद्रि	7. 6.92
उल्	7. 4.93
सि	27. 3.94
सं	7. 5.95
मं	27. 6.95
पिं	7.10.95
ध	7. 3.96
भ्र	5.11.96

## ॥ जैमिनी पद्धति – कारकांश एवं स्वांश ॥

कारकांश चक्र



स्वांश चक्र



कारक

कारक	स्थिर	चर
आत्म	सूर्य	शुक्र
आमात्य	बुध	बुध
भ्रात	मंगल	गुरु
मातृ	चंद्र	शनि
पितृ	गुरु	मंगल
ज्ञाति	शनि	सूर्य
दारा	शुक्र	चंद्र

अवस्था

ग्रह	जागृत	बलादि	दीप्तादि
सूर्य	स्वप्न	कुमार	दीन
चंद्र	सुसुप्त	वृद्ध	मुदित
मंगल	स्वप्न	युवा	मुदित
बुध	सुसुप्त	मृत	मुदित
गुरु	स्वप्न	युवा	दीन
शुक्र	जाग्रत	बाल	मुदित
शनि	स्वप्न	युवा	दीप्त

## ॥ चरदशा ॥

## चर महादशा

सिंह 12 वर्ष	29. 8.94	29. 8.06
कन्या 01 वर्ष	29. 8.06	29. 8.07
तुला 11 वर्ष	29. 8.07	29. 8.18

वृश्चिक 07 वर्ष	29. 8.18	29. 8.25
धनु 10 वर्ष	29. 8.25	29. 8.35
मकर 11 वर्ष	29. 8.35	29. 8.46

कुंभ 04 वर्ष	29. 8.46	29. 8.50
मीन 05 वर्ष	29. 8.50	29. 8.55
मेष 02 वर्ष	29. 8.55	29. 8.57

वृष 04 वर्ष	29. 8.57	29. 8.61
मिथुन 02 वर्ष	29. 8.61	29. 8.63
कर्क 02 वर्ष	29. 8.63	29. 8.65

## चर अन्तरदशा

सिंह 12 वर्ष		
कन्या	29.8.94	29. 8.95
तुला	29.8.95	29. 8.96
वृश्चिक	29.8.96	29. 8.97
धनु	29.8.97	29. 8.98
मकर	29.8.98	29. 8.99
कुंभ	29.8.99	29. 8.00
मीन	29.8.00	29. 8.01
मेष	29.8.01	29. 8.02
वृष	29.8.02	29. 8.03
मिथुन	29.8.03	29. 8.04
कर्क	29.8.04	29. 8.05
सिंह	29.8.05	29. 8.06

कन्या 1 वर्ष		
तुला	29.8.06	29. 9.06
वृश्चिक	29.9.06	29.10.06
धनु	29.10.06	29.11.06
मकर	29.11.06	29.12.06
कुंभ	29.12.06	29. 1.07
मीन	29.1.07	28. 2.07
मेष	28.2.07	28. 3.07
वृष	28.3.07	28. 4.07
मिथुन	28.4.07	28. 5.07
कर्क	28.5.07	28. 6.07
सिंह	28.6.07	28. 7.07
कन्या	28.7.07	28. 8.07

तुला 11 वर्ष		
वृश्चिक	28.8.07	28. 7.08
धनु	28.7.08	28. 6.09
मकर	28.6.09	28. 5.10
कुंभ	28.5.10	28. 4.11
मीन	28.4.11	28. 3.12
मेष	28.3.12	28. 2.13
वृष	28.2.13	28. 1.14
मिथुन	28.1.14	28.12.14
कर्क	28.12.14	28.11.15
सिंह	28.11.15	28.10.16
कन्या	28.10.16	28. 9.17
तुला	28.9.17	28. 8.18



# ज्योतिषीय परामर्श लें

हमारे विशेषज्ञ ज्योतिषियों से

अभी परामर्श लें >



## ॥ चरदशा ॥

वृश्चिक 7 वर्ष		
तुला	28.8.18	28. 3.19
कन्या	28.3.19	28.10.19
सिंह	28.10.19	28. 5.20
कर्क	28.5.20	28.12.20
मिथुन	28.12.20	28. 7.21
वृष	28.7.21	28. 2.22
मेष	28.2.22	28. 9.22
मीन	28.9.22	28. 4.23
कुंभ	28.4.23	28.11.23
मकर	28.11.23	28. 6.24
धनु	28.6.24	28. 1.25
वृश्चिक	28.1.25	28. 8.25

धनु 10 वर्ष		
वृश्चिक	28.8.25	28. 6.26
तुला	28.6.26	28. 4.27
कन्या	28.4.27	28. 2.28
सिंह	28.2.28	28.12.28
कर्क	28.12.28	28.10.29
मिथुन	28.10.29	28. 8.30
वृष	28.8.30	28. 6.31
मेष	28.6.31	28. 4.32
मीन	28.4.32	28. 2.33
कुंभ	28.2.33	28.12.33
मकर	28.12.33	28.10.34
धनु	28.10.34	28. 8.35

मकर 11 वर्ष		
धनु	28.8.35	28. 7.36
वृश्चिक	28.7.36	28. 6.37
तुला	28.6.37	28. 5.38
कन्या	28.5.38	28. 4.39
सिंह	28.4.39	28. 3.40
कर्क	28.3.40	28. 2.41
मिथुन	28.2.41	28. 1.42
वृष	28.1.42	28.12.42
मेष	28.12.42	28.11.43
मीन	28.11.43	28.10.44
कुंभ	28.10.44	28. 9.45
मकर	28.9.45	28. 8.46

कुंभ 4 वर्ष		
मीन	28.8.46	28.12.46
मेष	28.12.46	28. 4.47
वृष	28.4.47	28. 8.47
मिथुन	28.8.47	28.12.47
कर्क	28.12.47	28. 4.48
सिंह	28.4.48	28. 8.48
कन्या	28.8.48	28.12.48
तुला	28.12.48	28. 4.49
वृश्चिक	28.4.49	28. 8.49
धनु	28.8.49	28.12.49
मकर	28.12.49	28. 4.50
कुंभ	28.4.50	28. 8.50

मीन 5 वर्ष		
मेष	28.8.50	28. 1.51
वृष	28.1.51	28. 6.51
मिथुन	28.6.51	28.11.51
कर्क	28.11.51	28. 4.52
सिंह	28.4.52	28. 9.52
कन्या	28.9.52	28. 2.53
तुला	28.2.53	28. 7.53
वृश्चिक	28.7.53	28.12.53
धनु	28.12.53	28. 5.54
मकर	28.5.54	28.10.54
कुंभ	28.10.54	28. 3.55
मीन	28.3.55	28. 8.55

मेष 2 वर्ष		
वृष	28.8.55	28.10.55
मिथुन	28.10.55	28.12.55
कर्क	28.12.55	28. 2.56
सिंह	28.2.56	28. 4.56
कन्या	28.4.56	28. 6.56
तुला	28.6.56	28. 8.56
वृश्चिक	28.8.56	28.10.56
धनु	28.10.56	28.12.56
मकर	28.12.56	28. 2.57
कुंभ	28.2.57	28. 4.57
मीन	28.4.57	28. 6.57
मेष	28.6.57	28. 8.57

वृष 4 वर्ष		
मेष	28.8.57	28.12.57
मीन	28.12.57	28. 4.58
कुंभ	28.4.58	28. 8.58
मकर	28.8.58	28.12.58
धनु	28.12.58	28. 4.59
वृश्चिक	28.4.59	28. 8.59
तुला	28.8.59	28.12.59
कन्या	28.12.59	28. 4.60
सिंह	28.4.60	28. 8.60
कर्क	28.8.60	28.12.60
मिथुन	28.12.60	28. 4.61
वृष	28.4.61	28. 8.61

मिथुन 2 वर्ष		
वृष	28.8.61	28.10.61
मेष	28.10.61	28.12.61
मीन	28.12.61	28. 2.62
कुंभ	28.2.62	28. 4.62
मकर	28.4.62	28. 6.62
धनु	28.6.62	28. 8.62
वृश्चिक	28.8.62	28.10.62
तुला	28.10.62	28.12.62
कन्या	28.12.62	28. 2.63
सिंह	28.2.63	28. 4.63
कर्क	28.4.63	28. 6.63
मिथुन	28.6.63	28. 8.63

कर्क 2 वर्ष		
मिथुन	28.8.63	28.10.63
वृष	28.10.63	28.12.63
मेष	28.12.63	28. 2.64
मीन	28.2.64	28. 4.64
कुंभ	28.4.64	28. 6.64
मकर	28.6.64	28. 8.64
धनु	28.8.64	28.10.64
वृश्चिक	28.10.64	28.12.64
तुला	28.12.64	28. 2.65
कन्या	28.2.65	28. 4.65
सिंह	28.4.65	28. 6.65
कर्क	28.6.65	28. 8.65

## ॥ गोचर फल (20-12-2023) ॥

### सूर्य धनुराशि में आपके पांचवें भाव में स्थित है:

इस अवधि में आप जीवन का बड़े उत्साह और उल्लास से स्वागत करेंगे प्रणय प्रेम संबंधों के लिये यह समय श्रेयस्कर नहीं है। बहुत अधिक सोच विचार हानिकर हो सकता है इसलिये इससे आप बचें। अचानक यात्रा की संभावना भी हो सकती है।

### चन्द्र मीनराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:

अपने प्रयत्नों में आपको निराशा मिलेगी। स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां भी रहेंगी। अपने आपको किसी बड़े उद्यम से सम्बद्ध न कीजिये। यह जोखिम लेने का समय नहीं है। परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य के बारे में चिन्तित रह सकते हैं। फालतु की यात्राओं से बचें।

### मंगल वृश्चिकराशि में आपके चौथे भाव में स्थित है:

इस अवधि में आप मानसिक तनावों और चारों से ग्रसित रहेंगे। सुख अचल सम्पत्ती, वाहन सुख एवम् स्त्रीयों तथा मित्रों के साथ से वंचित रहेंगे। आर्थिक रूप से यह समय अच्छा नहीं है। इसलिये व्यय भी अधिक होगा। कुछ गुप्त गतिविधियों के लिये भी खर्च करना पड़ेगा। अचानक हानि होने की भी संभावना है।

# क्या आपकी कुंडली में राज योग है?

अभी खरीदें >



## ॥ गोचर फल (20-12-2023) ॥

### बुध धनुराशि में आपके पांचवें भाव में स्थित है:

इस अवधि में अपनी पैनी विवेक बुद्धि और सही अंदाज लगाने की क्षमता के कारण आप प्रचुर सम्मान प्राप्त करेंगे। आपकी कल्पना अत्यधिक सक्रिय रहेगी। नये उद्यमों में निश्चित सफलता प्राप्त करेंगे। यह समय प्रणय और रोमान्स के लिये भी अच्छा है। आपके सृजन बोध की सराहना की जायेगी। पारिवारिक सुख बढ़ा चढ़ा रहेगा। मित्र और शुभ चिन्तक पूरा सहारा देंगे। इस अवधि के दौरान आप महत्वपूर्ण व्यक्तियों के सम्पर्क में आयेंगे। एक यादगार यात्रा होने की भी संभावना है।

### गुरु मेष राशि में आपके नौवें भाव में स्थित है:

इस वर्ष यह अवधि आपके लिये सर्वश्रेष्ठ सिद्ध होगी। आप प्रचुर सफलता और सम्मान प्राप्त करेंगे। इस अवधि का उपयोग आप मन को एकाग्र करने समाधि और योग क्रियाओं को करने के लिए भी कर सकते हैं। धार्मिक और सामाजिक क्षेत्र के किसी मुखिया से भी आपका सम्पर्क हो सकता है। अपने काम को पूरा करने के लिये आप में प्रचुर उत्साह और विश्वास रहेगा। पारिवारिक माहौल से भी सहारा मिलेगा। लम्बी यात्रा सफलदायक सिद्ध होगी। परिवार में नये सदस्य की बढ़ोत्तरी होगी।

### शुक्र तुलाराशि में आपके तीसरे भाव में स्थित है:

इस अवधि के दौरान आप अत्यधिक उत्साही और स्फूर्तिवान रहेंगे। छोटी यात्राएं सुखद एवम् सुफलदायक रहेंगी। पारिवारिक सुख कायम रहेगा और भाई बहन भी खुशहाल और सुखी रहेंगे। आप तुरंत निर्णय ले सकने की स्थिति में होंगे और वह निर्णय सही होंगे। इस दौरान आपके पास अपना वाहन होगा। लोगों से आपके सम्पर्क बढ़ेंगे। नौकरी के हालात में भी इजाफा होगा। सौभाग्यशाली समय होने के कारण मनचाहा काम होता रहेगा।

# आपका 12 महीने का भविष्यफल

अभी खरीदें >



## ॥ गोचर फल (20-12-2023) ॥

**शनि कुंभराशि में आपके सातवें भाव में स्थित है:**

यह अच्छा समय नहीं है क्योंकि आपके भागीदार या सहयोगी आपको नीचा दिखाएंगे। औरों की लापरवाही और असफलताओं से आप चिन्तित रहेंगे। रोजमर्रा के कामों में भी समस्याएं खड़ी हो सकती हैं। बेबुनियाद इल्जाम आपके सर मंडे जाएंगे। छोटे मोटे झंझट या विवादों से बचें। स्त्री वर्ग से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे। जहां तक संभव हो फालतू की यात्रा कम करें। व्यापार के बड़े बड़े निर्णय लेने या विकास की योजनाओं पर ध्यान देने के लिए यह आवश्यक है कि आप पूरी जांच परख करके ही ऐसा करें।

**राहु मीनराशि में आपके आठवें भाव में स्थित है:**

इस अवधि के दौरान दुर्घटनायें मानसिक शांति भंग कर सकती हैं। प्रयासों में असफलता ही हाथ लगेगी। आपके भ्रम भयकारी मनोविकृति बन सकते हैं। आपकी साथी का बर्ताव आपको असहनीय मालूम पड़ेगा। धन्धे / व्यापार में भी काम अच्छा नहीं चलेगा। कुछ न कुछ परेशानियां आपको सदैव घेरे रहेंगी। स्वास्थ्य की समस्याओं के कारण आप सही प्रकार से अपने वचन नहीं निभा पायेंगे। गूढ़ विज्ञान की ओर आपकी रुचि जागृत होगी और कुछ अतीन्द्रिय अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं।

**केतु कन्याराशि में आपके दूसरे भाव में स्थित है:**

गन्दी भाषा बोलने के कारण अपने लोगों से भी आपकी दुश्मनी होने की संभावना है। इसलिये आपको अपनी वाणी पर पूरा नियंत्रण रखना चाहिए। खास तौर पर उन लोगों के प्रति जिनसे आपकी घनिष्टता है। नहीं तो गलतफहमी हो जायेगी। पैसे रुपये की हानि होने की संभावना है। अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ आपके निर्वाह में मुश्किलें पेश आयेंगी। इस अवधि में कोई नये उधम न शुरू करें। इसी माह में आपके व्याधिग्रस्त होने की भी संभावना है। आत्मविश्वास की कमी आपमें स्पष्ट परिलक्षित होगी। यात्राओं का कोई व्यवहारिक अर्थ नहीं निकलेगा। साधारण तौर पर यह समय आपके लिये अच्छा नहीं है क्योंकि आत्मीय जन भी काफीदूर हो जायेंगे।



शनि संबंधित सभी समस्याओं का संपूर्ण समाधान

# शनि रिपोर्ट

अभी खरीदें



## ॥ लालकिताब फलकथन ॥

### सूर्य आपके पहले भाव में स्थित है:

यदि सूर्य शुभ है तो जातक धार्मिक इमारतों या भवनों का निर्माण और सार्वजनिक उपयोग के लिए कुओं की खुदाई करवाता है। उसकी आजीविका का स्थाई स्रोत अधिकांशतः सरकारी होगा। इमानदारी से कमाए गए धन में वृद्धि होगी। जातक अपनी आंखों देखी बातों पर ही विश्वास करेगा, कान से सुनी गई बातों पर नहीं। यदि सूर्य अशुभ है तो जातक के पिता की मृत्यु जातक के बचपन में ही हो जाती है। यदि शुक्र सातवें भाव में हो तो दिन के समय बनाया गया शारीरिक संबंध पत्नी को लगातार बीमारी देता है और तपेदिक के संक्रमण का भय पैदा करता है। पहले भाव का अशुभ सूर्य और पांचवें भाव का मंगल एकएक कर संतान की मृत्यु का कारण होगा। इसी प्रकार पहले भाव का अशुभ सूर्य और आठवें भाव का शनि एकएक करके संतान की मृत्यु का कारण बनता है। यदि सातवें भाव में कोई ग्रह न हो तो 24 से पहले विवाह कर लेना जातक के लिए भाग्यशाली रहता है अन्यथा जातक के चौबीसवां साल विनाशकारी साबित होगा।

### उपाय

- 1) 24 वर्ष से पहले ही शादी कर लें।
- 2) दिन के समय यौन संबंध न बनाएं।
- 3) अपने पैतृक घर में पानी के लिए एक हैंडपंप लगवाएं।
- 4) अपने घर के अंत में बाईं ओर एक छोटे और अंधेरे कमरे का निर्माण कराएं।
- 5) पति या पत्नी दोनों में से किसी एक को गुड़ खाना बंद कर देना चाहिए।



## एस्ट्रोसेज शॉप

अभी खरीदें >>>

+91 9560670006, 9911840093, 120 4138503

ए-139 सेक्टर 63, नोएडा यूपी

[www.AstroSage.com](http://www.AstroSage.com)

रत्न



रुद्राक्ष



माला



यंत्र



जड़ी



परामर्श



## ॥ लालकिताब फलकथन ॥

### चन्द्र आपके दसवें भाव में स्थित है:

दसवां घर हर तरीके में शनि द्वारा शासित है। यह घर चौथे घर के द्वारा देखा जाता है, जो चंद्रमा द्वारा शासित होता है। इसलिए इस घर में स्थित चंद्रमा जातक को 90 साल की लंबी आयु सुनिश्चित करता है। चंद्रमा और शनि आपस में शत्रु हैं इसलिए, तरल प में दवाओं का सेवन जातक को हमेशा हानिकारक साबित होंगी। रात में दूध का सेवन जहर के समान कार्य करता है। यदि जातक चिकित्सक है तो उसके द्वारा रोगी को दी जाने वाली दवाएं यदि शुष्क हों तो मरीज पर इलाज का जादुई प्रभाव पड़ेगा। यदि जातक सर्जन है तो वह सर्जरी के माध्यम से वह महान धन और प्रसिद्धि अर्जित करेगा। यदि दूसरा और चौथा भाव खाली हो तो जातक पर पैसों की बरसात होगी। यदि शनि पहले भाव में स्थित हो तो विपरीत लिंगी के कारण जातक का विनाश हो जाता है, विशेषकर विधवा जातक के विनाश का कारण बनती है। शनि से संबंधित वस्तुएं और व्यवसाय जातक के लिए फायदेमंद साबित होगा।

#### उपाय

- 1) धार्मिक स्थानों की यात्रा भाग्य वृद्धि में सहायक होगी।
- 2) बारिस अथवा नदी का प्राकृतिक जल किसी कंटेनर कनस्तर) में भर कर अपने घर के भीतर 15 साल तक रखें। यह दसम भाव में स्थित चंद्रमा के विषाक्त और बुरे प्रभाव को धो देगा।
- 3) रात में दूध न पिएं।
- 4) दुधा पशु न तो आपके घर में लंबे समय तक रह पाएंगे और न ही वो आपके लिए फायदेमंद और शुभ साबित होंगे।
- 5) शराब, मांस, और व्यभिचार से बचें।

### मंगल आपके ग्यारहवें भाव में स्थित है:

क्योंकि यह घर बृहस्पति और शनि ग्रह से प्रभावी होता है इसलिए इस घर में मंगल अच्छे परिणाम देता है। यदि बृहस्पति उच्च का हो तो मंगल बहुत अच्छे परिणाम देता है। जातक साहसी और आम तौर पर व्यापारी होता है।

#### उपाय

- 1) पैतृक संपत्ति कभी भी न बेचें।
- 2) किसी मिट्टी के बर्तन में शहद या सिंदूर रखना अच्छे परिणाम देगा।



## ॥ लालकिताब फलकथन ॥

### बुध आपके पहले भाव में स्थित है:

पहले घर में स्थित बुध जातक को दयालु, विनोदी और प्रशासनिक कौशल के साथ राजनयिक बनाता है। आमतौर पर ऐसा लम्बे समय तक जीता है, स्वार्थी हो जाता है तथा स्वभाव से नटखट होकर, मांशाहार और मदिरा पान की ओर आकृष्ट हो जाता है। जातक को सरकार से मदद मिलती है और उसकी बेटियां राजसी जीवन जीती हैं। जिस भाव में सूर्य बैठा है उस भाव से संबंधित रिश्तेदार बहुत कम समय में खूब पैसा कमा कर धनवान बन जाते हैं। स्वयं जातक के पास भी आमदनी के कई स्रोत होते हैं। यदि सूर्य बुध के साथ पहले भाव में हो अथवा बुध सूर्य के द्वारा देखा जाता हो तो जातक की पत्नी किसी अमीर और कुलीन परिवार से आएगी और अच्छे स्वभाव वाली होगी। ऐसा जातक मंगल से दुष्प्रभावी हो सकता है लेकिन इसे सूर्य से बुरे परिणाम नहीं मिलेंगे। राहु और केतु बुरे प्रभावी होंगे जो जातक के वंशजों और ससुराल वालों के लिए हानिकारक होंगे। पहले घर में स्थित बुध के कारण जातक दूसरों को प्रभावित करने की कला में माहिर होगा और वह किसी राजा की तरह जिएगा। पहले घर में बुध नीच का हो और चंद्रमा सातवें घर में हो तो जातक नशे के कारण अपना विनाश कर लेता है।

#### उपाय

- 1) हरे रंग और शालियों से यथासंभव दूर रहें।
- 2) अंडा, मांस और मदिरा का सेवन न करें।
- 3) घूम फिर कर करने वाले व्यापार से एक ही स्थान पर बैठ कर करने वाला व्यापार अच्छा और फायदेमंद रहेगा।

### गुरु आपके तीसरे भाव में स्थित है:

तीसरे भाव का बृहस्पति जातक को समझदार और अमीर बनाता है, जातक अपने पूरे जीवन काल में सरकार से निरंतर आय प्राप्त करता रहेगा। नवम भाव में स्थित शनि जातक को दीर्घायु बनाता है। यदि शनि दूसरे भाव में हो तो जातक बहुत चतुर और चालाक होता है। चतुर्थ भाव में स्थित शनि यह इशारा करता है कि जातक का पैसा और धन उसके अपने दोस्तों के द्वारा लूट लिया जाएगा। यदि बृहस्पति तीसरे भाव में किसी पापी ग्रह से पीड़ित है तो जातक अपने किसी करीबी के कारण बरबाद हो जाएगा और कर्जदार हो जाएगा।

#### उपाय

- 1) देवी दुर्गा की पूजा करें और कन्याओं अर्थात् छोटी लड़कियों को मिठाई और फल देते हुए उनके पैर छू कर उनका आशीर्वाद लें।
- 2) चापलूसों से दूर रहें।

## ॥ लालकिताब फलकथन ॥

### शुक्र आपके दूसरे भाव में स्थित है:

दूसरों का बुरा या बुराई करना जातक के लिए हानिकारक साबित होगा। साठ वर्ष की उम्र तक पैसा, धन और संपत्ति बढ़ते जाएंगे। शेरमुखी घर सामने से व्यापक पीछे से कम) जातक के लिए विनाशकारी साबित होगा। सोने और आभूषणों से संबंधित व्यवसाय या व्यापार अत्यंत हानिकारक होगा। मिट्टी के सामान से जुड़ा व्यवसाय, कृषि और पशु बेहद फायदेमंद साबित होंगे। स्त्री जातक की कुण्डली में दूसरे भाव में स्थित शुक्र संतान की समस्या देता है जबकि पुरुष जातक की कुण्डली में ऐसी स्थित पुत्र संतान की प्राप्ति में बाधा उत्पन्न करती है।

#### उपाय

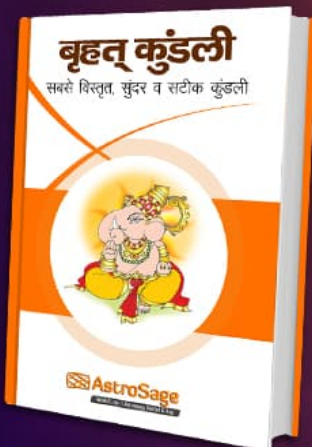
- 1) संतान की समस्या के लिए जातक को मंगल से संबंधित चीजें जैसे शहद, सौंफ अथवा देशी खांड का इस्तेमाल करना चाहिए।
- 2) गायों को हल्दी के पीले रंग से रंगे दो किलोग्राम आलू खिलाएं।
- 3) मंदिर में दो किलोग्राम गाय का घी भेंट करें।
- 4) व्यभिचार से बचें।

### शनि आपके सातवें भाव में स्थित है:

यह घर बुध और शुक्र से प्रभावित होता है, दोनों ही शनि के मित्र ग्रह हैं। इसलिए शनि इस घर में बहुत अच्छा परिणाम देता है। शनि से जुड़े व्यवसाय जैसे मशीनरी और लोहे का काम बहुत लाभदायक होगा। यदि जातक अपनी पत्नी से अच्छे संबंध रखता है तो वह अमीर और समृद्ध होगा और लंबी आयु के साथ अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेगा। यदि बृहस्पति पहले घर में हो तो सरकार से लाभ होगा। यदि जातक व्यभिचारी हो जाता है या शराब पीने लगता है तो शनि नीच और हानिकर हो जाता है। यदि जातक 22 साल के बाद शादी करता है तो उसकी दृष्टि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

#### उपाय

- 1) किसी बांसुरी में चीनी भरें और किसी सुनसान जगह जैसे कि जंगल आदि में दफना दें।
- 2) काली गाय की सेवा करें।



## बृहत् कुंडली

अब तक की सबसे विस्तृत कुंडली

250+ पृष्ठ | ~~₹2100~~ ₹399 सिर्फ

अभी ऑर्डर करें

## ॥ लालकिताब फलकथन ॥

### राहू आपके तीसरे भाव में स्थित है:

यह राहू का पक्का घर है। तीसरा घर बुध और मंगल से प्रभावित होता है। यदि यहां राहू शुभ हो तो, बहुत धन दौलत वाला और दीर्घायु होता। वह एक निडर और वफादार दोस्त होता है। वह सपनों के माध्यम से भविष्य देख सकेगा। वह कभी निसंतान नहीं होगा। वह शत्रुओं पर विजय पाने वाला होगा। वह कभी भी कर्जदार नहीं रहेगा। वह अपने पीछे सम्पत्ति छोड़ जाएगा। अपने जीवन के 22वें वर्ष में वह प्रगति करेगा। लेकिन अगर राहू तीसरे घर में अशुभ है तो उसके भाई और रिश्तेदार अपने पैसे बर्बाद करेंगे। वह किसी को पैसे उधार देगा तो वापस नहीं मिलेंगे। जातक में वाणी दोष होगा और वह नास्तिक होगा। यदि सूर्य और बुध भी राहू के साथ तीसरे घर में हों तो उसकी बहन अपनी उम्र के 22वें या 32वें साल में विधवा हो सकती है।

#### उपाय

1) घर में कभी भी हाथीदांत या हाथीदांत की वस्तुएं न रखें।

### केतु आपके नौवें भाव में स्थित है:

नौवां घर बृहस्पति का होता है जो केतू के पक्षधर हैं। नौवें भाव में केतू उच्च का माना जाता है। ऐसा जातक आज्ञाकारी और भाग्यशाली होता है। जातक का धन बढ़ता है। यदि केतू शुभ हो तो जातक अपने प्रयासों से धनार्जन करता है। प्रगति होगी लेकिन स्थानांतरण नहीं होगा। यदि जातक अपने घर में सोने की ईंट रखे तो धानागमन होता है। जातक का पुत्र भविष्य का अनुमान लगाने में सक्षम होगा। जातक अपने जीवन का एक बहुत बड़ा हिस्सा विदेशी भूमि में व्यतीत करता है। यदि चंद्रमा शुभ हो तो जातक अपने ननिहाल वालों की मदद करता है। यदि यहां पर केतू अशुभ हो तो जातक मूत्र विकार, पीठ में दर्द, और पैरों की समस्या से ग्रस्त होता है। जातक के बच्चे मरते जाते हैं।

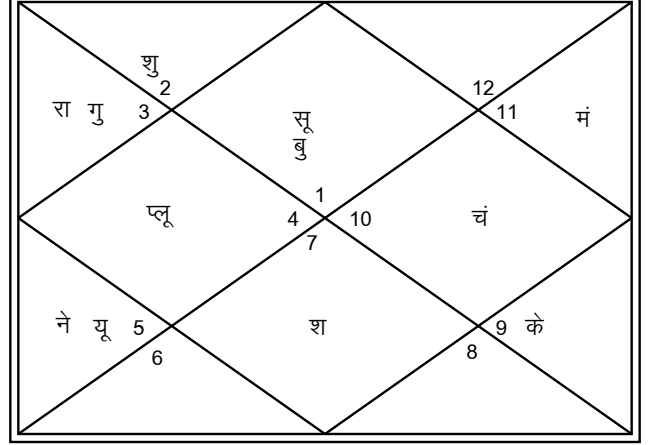
#### उपाय

- 1) एक कुत्ते पालें।
- 2) घर में सोने का एक आयताकार टुकड़ा रखें।
- 3) कान में सोना पहनें।
- 4) बड़ों का सम्मान करें, विशेषकर ससुर का सम्मान जर करें।

## ॥ लाल किताब गणना ॥

नाम	Anil	सूर्योदय	06.06.49	दशा भोग्य	SUN 0 Y 2 M 7 D
लिंग	Male	रेखांश	76.1.E	तिथि	अष्टमी
दिनांक	29.8.1994	अक्षांश	23.19.N	योग	व्याघात
दिन	सोमवार	जन्म स्थान	Tarana	लग्न	सिंह
समय	7.28.0	अयनांश	023-46-55	राशि	वृषभ
साम्पातिक काल	05.30.14	अयनांश नाम	लाहिरी	नक्षत्र	कृतिका-4
				दश्यास्त	18.47.06
				करण	बालव
				लग्न स्वामी	सूर्य
				राशि स्वामी	शुक्र
				नक्षत्र स्वामी	सूर्य

## लग्न चक्र



लाल किताब ग्रह स्थिति					
ग्रह	राशि	स्थिति	सोया	किस्मत जगानेवाला	नेक / मंदा
सूर्य	मेष	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
चंद्र	मकर	-----	हाँ	नहीं	मंदा / अशुभ
मंगल	कुंभ	-----	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
बुध	मेष	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
गुरु	मिथुन	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
शुक्र	वृषभ	-----	हाँ	नहीं	नेक / शुभ
शनि	तुला	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
राहु	मिथुन	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ
केतु	धनु	-----	नहीं	नहीं	नेक / शुभ

## लाल किताब दशा

शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष
आरम्भ 29/08/1994	आरम्भ 29/08/2000	आरम्भ 29/08/2006	आरम्भ 29/08/2009	आरम्भ 29/08/2015	आरम्भ 29/08/2017
अंत 29/08/2000	अंत 29/08/2006	अंत 29/08/2009	अंत 29/08/2015	अंत 29/08/2017	अंत 29/08/2018
राहु 29/08/1996	मंगल 29/08/2002	शनि 29/08/2007	केतु 29/08/2011	सूर्य 29/04/2016	गुरु 29/12/2017
बुध 29/08/1998	केतु 29/08/2004	राहु 29/08/2008	गुरु 29/08/2013	चन्द्र 29/12/2016	सूर्य 29/04/2018
शनि 29/08/2000	राहु 29/08/2006	केतु 29/08/2009	सूर्य 29/08/2015	मंगल 29/08/2017	चन्द्र 29/08/2018
शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष	शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष
आरम्भ 29/08/2018	आरम्भ 29/08/2021	आरम्भ 29/08/2027	आरम्भ 29/08/2029	आरम्भ 29/08/2035	आरम्भ 29/08/2041
अंत 29/08/2021	अंत 29/08/2027	अंत 29/08/2029	अंत 29/08/2035	अंत 29/08/2041	अंत 29/08/2044
मंगल 29/08/2019	मंगल 29/08/2023	चन्द्र 29/04/2028	राहु 29/08/2031	मंगल 29/08/2037	शनि 29/08/2042
सूर्य 29/08/2020	शनि 29/08/2025	मंगल 29/12/2028	बुध 29/08/2033	केतु 29/08/2039	राहु 29/08/2043
चन्द्र 29/08/2021	शुक्र 29/08/2027	गुरु 29/08/2029	शनि 29/08/2035	राहु 29/08/2041	केतु 29/08/2044
गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष	शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष
आरम्भ 29/08/2044	आरम्भ 29/08/2050	आरम्भ 29/08/2052	आरम्भ 29/08/2053	आरम्भ 29/08/2056	आरम्भ 29/08/2062
अंत 29/08/2050	अंत 29/08/2052	अंत 29/08/2053	अंत 29/08/2056	अंत 29/08/2062	अंत 29/08/2064
केतु 29/08/2046	सूर्य 29/04/2051	गुरु 29/12/2052	मंगल 29/08/2054	मंगल 29/08/2058	चन्द्र 29/04/2063
गुरु 29/08/2048	चन्द्र 29/12/2051	सूर्य 29/04/2053	सूर्य 29/08/2055	शनि 29/08/2060	मंगल 29/12/2063
सूर्य 29/08/2050	मंगल 29/08/2052	चन्द्र 29/08/2053	चन्द्र 29/08/2056	शुक्र 29/08/2062	गुरु 29/08/2064
शनि 6 वर्ष	राहु 6 वर्ष	केतु 3 वर्ष	गुरु 6 वर्ष	सूर्य 2 वर्ष	चन्द्र 1 वर्ष
आरम्भ 29/08/2064	आरम्भ 29/08/2070	आरम्भ 29/08/2076	आरम्भ 29/08/2079	आरम्भ 29/08/2085	आरम्भ 29/08/2087
अंत 29/08/2070	अंत 29/08/2076	अंत 29/08/2079	अंत 29/08/2085	अंत 29/08/2087	अंत 29/08/2088
राहु 29/08/2066	मंगल 29/08/2072	शनि 29/08/2077	केतु 29/08/2081	सूर्य 29/04/2086	गुरु 29/12/2087
बुध 29/08/2068	केतु 29/08/2074	राहु 29/08/2078	गुरु 29/08/2083	चन्द्र 29/12/2086	सूर्य 29/04/2088
शनि 29/08/2070	राहु 29/08/2076	केतु 29/08/2079	सूर्य 29/08/2085	मंगल 29/08/2087	चन्द्र 29/08/2088
शुक्र 3 वर्ष	मंगल 6 वर्ष	बुध 2 वर्ष			
आरम्भ 29/08/2088	आरम्भ 29/08/2091	आरम्भ 29/08/2097			
अंत 29/08/2091	अंत 29/08/2097	अंत 29/08/2099			
मंगल 29/08/2089	मंगल 29/08/2093	चन्द्र 29/04/2098			
सूर्य 29/08/2090	शनि 29/08/2095	मंगल 29/12/2098			
चन्द्र 29/08/2091	शुक्र 29/08/2097	गुरु 29/08/2099			

## ॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

### सूर्य विचार

आपकी कुण्डली में सूर्य सिंह राशि में स्थित है, जो कि सूर्य की स्व राशि है। सूर्य पहले घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में पहले घर में स्थित है। सूर्यदृष्टि सातवें घरावर आहे शनि,केतु की पूर्ण दृष्टि सूर्य पर है।

आपकी कुण्डली के प्रथम भाव में स्थित सूर्य इस बात का संकेत कर रहा है कि आपका स्वभाव स्पष्ट और उदार होगा। आपके छोटे भाई और बहन भाग्यशाली होंगे वो अच्छे मित्रों वाले और पद प्रतिष्ठा वाले होंगे। आपकी मां धार्मिक विचारों वाली और तीर्थयात्रा करने वाली होंगी। आपके बच्चों की शिक्षा का स्तर अच्छा होगा। वे दूर देश में शिक्षा ग्रहण कर सकते हैं।

सरकार से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। सत्ता से से जुड़े और शक्तिशाली लोगों से आपके अच्छे रिश्ते रहेंगे। आप अपने पिता का आदर करते हैं और उनकी आज्ञा मानते हैं। आपका जीवन साथी अच्छे खानदान से होगा। आप स्वभाव से ईमानदार और धार्मिक होंगे अथवा नैतिकता के दृष्टिकोण से आपका बर्ताव उचित रहेगा। लेकिन यहां स्थित सूर्य आपके स्वभाव में आक्रामकता, कभीकभी विवेक हीनता, अलस्य, क्षमाहीनता, घमंड, धर्यहीनता देता है। हांलाकि यह आपमें महत्वाकांक्षा और प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराने के गुण भी देता है।

यहां स्थित सूर्य आपको तेजस्वी और लम्बा तो बनाता है लेकिन साथ ही गंजापन और दुर्बलता भी दे सकता है, और आप सिर या आंखों की समस्या से पीड़ित हो सकते हैं लेकिन आपका बाकी स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हो सकता है कि बाल्यावस्था में स्वास्थ्य कुछ हद तक उदासीन रहे। आपकी कुछ कमाई पशुओं के माध्यम से भी हो सकती है, और बच्चों की संख्या कम रह सकती है।

### चन्द्र विचार

आपकी कुण्डली में चन्द्र वृषभ राशि में स्थित है, जो कि चन्द्र की उच्च राशि है। चन्द्र बारहवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में दसवें घर में स्थित है। चन्द्रदृष्टि चौथे घरावर आहे

आप समाज में प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप सफलता तो प्राप्त करेंगे ही साथ ही लोगों के बीच आपकी लोकप्रियता भी अच्छी खासी होगी। आप कार्यकुशल व्यक्ति हैं अतः आप निश्चय ही आप जीवन में बड़ी सफलता प्राप्त करेंगे। आप दयालु और निर्मल स्वभाव के बुद्धिमान व्यक्ति हैं। आप लोगों का हित करते हुए बहुत बड़े यश के भागीदार बनेंगे। आप स्वभाव से संतोषी व्यक्ति हैं।

व्यापार और व्यवसाय के मामलों में भी आपकी कार्यकुशलता उत्तम होगी। माता के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। यही नहीं लगभग अधिकांश स्त्रियों के साथ आपके सम्बन्ध अच्छे रहेंगे। लेकिन आप अपने बच्चों को लेकर बहुत प्रसन्न नहीं रहेंगे। यह भी हो सकता है कि आपको अपने व्यवसाय में कई बार परिवर्तन करना पड़े। आपको विदेश यात्राएं करने का मौका मिलेगा।

अगर आप महत्वाकांक्षी हुए और अपने कार्य का दायरा बड़ा करने का प्रयास किया तो आप कोई बड़ा पद प्राप्त कर सकते हैं। हो सकता है कि वह पद सरकार की तरफ से भी हो। आपकी उम्र का २४वां और ४३वां साल आपके लिए बहुत भाग्यशाली सिद्ध होंगे। चन्द्रमा की यह स्थिति लम्बी उम्र देने में सहायक मानी गई है।

## ॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

### मंगल विचार

आपकी कुण्डली में मंगल मिथुन राशि में स्थित है, जो कि मंगल की शत्रु राशि है। मंगल नौवें, चौथे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में ग्यारहवें घर में स्थित है। मंगलदृष्टि दूसरे, पांचवें, छठे घरावर आहे गुरु, राहू की पूर्ण दृष्टि मंगल पर है।

ग्यारहवें भाव में स्थित मंगल आपको धैर्यवान बनाता है। यहां स्थित मंगल आपको खूब घूमने फिरने का मौका भी देता है। आप एक साहसी व्यक्ति हैं और अपने जीवन काल में खूब लाभ कमाएंगे। लेकिन आपमें क्रोध की अधिकता हो सकती है जिस पर नियंत्रण पाना जरी होगा। साथ ही आप कुछ हद तक कटुभाषी भी हो सकते हैं। अतः वाणी में मिठास और नियंत्रण भी जरी होगा।

मित्रों के सहयोग से आप अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा कर पाएंगे लेकिन मित्रों से आपका मतभेद और विरोध भी हो सकता है। हालांकि आपके मित्रों की संख्या कम होगी लेकिन जितने भी होंगे आपके लिए सहयोगी रहेंगे। आप गुरुजनों का बहुत सम्मान करते हैं। आपके स्वभाव में राजसी गुण भी पाए जाएंगे। अर्थात् आप अपने आपको किसी राजा की तरह ही समझेंगे।

पंचम भाव पर दृष्टि होने के कारण ग्यारहवें भाव में स्थित मंगल आपको संतान से संबंधित परेशानियां दे सकता है जैसे कि संतान की पैदाइस में विलम्ब या गर्भपात जसी स्थितियां भी आ सकती हैं। आपकी वाणी काफी कठोरता लिए हुए हो सकती है और आपके संस्कारों ने अनुमति दी तो आपकी रुचि मांसाहार में भी हो सकती है। आपके बड़े भाई बहन चिड़चिड़े लेकिन ऊर्जावान होंगे।

### बुध विचार

आपकी कुण्डली में बुध सिंह राशि में स्थित है, जो कि बुध की मित्र राशि है। बुध ग्यारहवें, दूसरे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में पहले घर में स्थित है। बुधदृष्टि सातवें घरावर आहे शनि, केतु की पूर्ण दृष्टि बुध पर है।

आप सौम्य स्वभाव के और हमेशा खुश रहने वाले व्यक्ति हैं। आप शान्त चित्त और कुशाग्र बुद्धि हैं। आपकी हाजिरजबाबी, समझदारी और मित्रों के साथ किया गया सरल व्यवहार आपको प्रसंशनीय बनाएगा। बुध की यह स्थिति आपको उदारता और सदाचार का ज्ञान भी देती है। आप देखने आपकर्षक व्यक्तित्व के और दीर्घायु व्यक्ति हैं। आपको कई भाषाओं का ज्ञान हो सकता है।

आप किसी बात को बहुत जल्दी आत्मसात कर लेते हैं साथ ही आप एक अच्छे वक्ता भी हैं। आप कई विषयों में गहराई से अनुसंधान करेंगे, विशेषकर ज्योतिष, गणित, जादू या इंजीनियरिंग जैसे विषयों में आपकी गहरी रुचि हो सकती है। आप एक बड़े ही निपुण व्यवसायी व्यक्ति हैं। लेकिन यहां स्थिति बुध अशुभ दशाओं के आने पर स्नायु तंत्र और त्वचा से सम्बंधित रोग भी दे सकता है।

बुध की इस स्थिति के कारण आप अपने जन्म स्थान से दूर भी रह सकते हैं। आप अपने जीवन काल में कई विदेश यात्रा कर सकते हैं। जीवन के सत्ताइसवें साल में आप कोई धार्मिक यात्रा भी कर सकते हैं। गीतसंगीत के क्षेत्र में भी आपकी अच्छी खासी रुचि हो सकती है। बुध की यह स्थिति आपको वाणी, लेखन या प्रकाशन की क्षेत्र से जीविकोपार्जन करवा सकती है। आप सभी सुख सुविधाओं का प्राप्त करेंगे।



## ॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

### गुरु विचार

आपकी कुण्डली में गुरु तुला राशि में स्थित है, जो कि गुरु की शत्रु राशि है। गुरु पांचवें, आठवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में तीसरे घर में स्थित है। गुरुदृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घरावर आहे केतु की पूर्ण दृष्टि गुरु पर है।

तीसरे भाव में बृहस्पति होने के कारण आप साहसी और बलवान होंगे। आप ज्ञास्त्रों के जानकार और अनेक प्रकार के धार्मिक कार्यों को सम्पादित करने वाले व्यक्ति हैं। आप जीतेन्द्रिय, तेजस्वी और ईश्वर पर विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। आप काम करने में चतुर हैं। आप जिस काम का संकल्प करते उसे पूरा करके ही छोड़ना चाहते हैं और आपको आपके काम में आपको सफलता भी मिलती है।

आप प्रवास पर्यटन और तीर्थयात्राएं करने वाले व्यक्ति हैं। आपको अपने सगे भाइयोंबहनों और कुटुम्बियों से सुख मिलता है। आप अपने भाइयों का कल्याण करने वाले और उन्हें उत्तम सुख देने वाले होंगे। आपके भाई भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। आप मित्रों और आत्मजनों के माध्यम से सुखी और सम्पन्न होंगे। आत्मजनों से आपको लाभ भी होगा। आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा।

आपको राजा या सरकार के द्वारा सम्मान मिलेगा। बहुत सारे लोग आपके अधीनस्थ रहेंगे। अच्छे बुद्धि विवेक के कारण आपको लेखन से लाभ होगा। तीसरे भाव के बृहस्पति के कारण आपको कंजूसी करते हुए देखा जाएगा। भूख न लगने के कारण शरीर दुर्बल हो सकता है। आपको अपने भाइयों के साथ हमेशा अच्छे सम्बंध बनाए रखना चाहिए। साथ ही धार्मिक और आध्यात्मिक वृत्ति का पोषण करते रहें।

### शुक्र विचार

आपकी कुण्डली में शुक्र कन्या राशि में स्थित है, जो कि शुक्र की नीच राशि है। शुक्र दसवें, तीसरे घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में दूसरे घर में स्थित है। शुक्रदृष्टि आठवें घरावर आहे मंगल की पूर्ण दृष्टि शुक्र पर है।

दूसरे भाव में शुक्र होने के कारण आप का मुखमंडल शोभायमान होगा। आपके दांत भी सुंदर और आकर्षक होंगे। आप बुद्धिमान और मृदुभाषी व्यक्ति हैं। आप स्वभाव से मिलनसार और नीतिपूर्ण बातें करने वाले हैं। आप कुशाग्रबुद्धि और धार्मिक भावनाओं से परिपूर्ण हैं। आप कई प्रकार की विद्याओं को जानने वाले होंगे। आप परंपरागत और कुल के देवी देवताओं को मान्यता देते हैं। वस्त्र और धन से आपका भंडार भरा रहेगा।

आप विद्वान, यशस्वी, गुरुभक्त, बन्धुमान्य, राजाओं द्वारा पूजित और कृतज्ञ व्यक्ति होंगे। दान पुण्य आदि कार्यों में आपकी गहरी रुचि होगी। आप धर्म, नम्रता, सौंदर्य, दया और परोपकार आदि गुणों से परिपूर्ण होंगे। सदाचार युक्त चरित्र होने पर आपका उज्ज्वल यश दूरदूर तक फैलेगा। आप चांदी, सीसा, रत्नो आदि के व्यापार के अलावा किसी विश्शेष गुण या विद्या के माध्यम से भी धन कमा सकते हैं।

उत्तम और स्वादिष्ट भोजन आपको खाने को मिलता रहेगा। आप विभिन्न प्रकार के खेलों और मनोरंजन के कार्यक्रमों में भाग लेंगे। लेकिन आप विलासी प्रकृति के हो सकते हैं। हांलाकि इसी गुण के कारण आप स्त्रियों के प्रिय बने रहेंगे। सौंदर्य सम्पन्न लोगों और वस्तुओं से आपका रिश्ता जुड़ा रहेगा। आपको उत्तम वाहनों के साथसाथ उत्तम वस्त्र, अलंकार और धन की भी प्राप्ति होती रहेगी।

## ॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

### शनि विचार

आपकी कुण्डली में शनि कुंभ राशि में स्थित है, जो कि शनि की स्व राशि है। शनि छठे, सातवें घर का स्वामी होकर आपकी कुण्डली में सातवें घर में स्थित है। शनिदृष्टि नौवें, पहले, चौथे घरावर आहे सूर्य, बुध, गुरु, राहू की पूर्ण दृष्टि शनि पर है।

यहां स्थित शनि व्यक्तिगत जीवन में अच्छे परिणाम नहीं देता है। जीवन साथी के शरीर का ऊपरी भाग बहुत सुंदर नहीं होता। विवाह से धन लाभ होता है। कभीकभी दो विवाह होने की सम्भावना भी बनती है। दूसरे विवाह के बाद भाग्योदय होने की बात ज्योतिष शास्त्रों में कही गई है। लेकिन जीवन साथी का स्वभाव मनोनुकूल न होने की स्थिति में दाम्पत्य जीवन दुष्प्रभावी रहने की सम्भावना बनी रहती है। कभीकभी अविवाहित रहने की इच्छा भी करती है। संतान बिलम्ब से होती है।

ठेकेदारी, कोयला, लोहा, खदानों आदि से जुड़े कामों से लाभ मिल सकता है। किसी विदेशी काम या विदेशी माल में एजेंट का काम करने से भी लाभ मिलता है। आप शिक्षक, प्रध्यापक, गणक आदि कामों से जुड़ कर भी आजीविका कमा सकते हैं। बाल्यावस्था में माता पिता को लेकर कुछ कष्ट उठाने पड़ सकते हैं। बावन, तिरपन साल की उम्र में जीवनसाथी को कष्ट हो सकता है।

यहां स्थित शनि के अशुभ प्रभावों की चर्चा करते हुए ज्योतिषीय ग्रंथों में कहा गया है कि संतान को कष्ट हो सकता है। मन अशांत रह सकता है। दिलोदिमाग में एक अजीब सी घबराहट रह सकती है। समयसमय पर आने वाली आर्थिक समस्याएं विचलित कर सकती हैं। शरीर में आए दिन कोई न कोई रोग बना रह सकता है।

### राहू विचार

आपकी कुण्डली में राहू तुला राशि में स्थित है। राहू तीसरे घर में स्थित है। राहूदृष्टि सातवें, नौवें, ग्यारहवें घरावर आहे केतु की पूर्ण दृष्टि राहू पर है।

यहां स्थित राहू को अरिष्टनाशक और दुखनाशक माना गया है। इसलिए आप निरोगी और बलवान होंगे। आपमें बाहुबल खूब होगा। आप पराक्रमी और साहसी होंगे। आप उद्योगी, प्रतापी, दृढविवेकी और खूब यात्राएं करने वाले होंगे। आप विद्वान के साथसाथ भाग्यवान भी हैं। आप तीव्र बुद्धि लेकिन चंचल स्वभाव के हैं।

आपकी कीर्ति दूरदूर तक फैलेगी। आप यशस्वी, प्रतिष्ठित और दान, पुण्य पर विश्वास करने वाले व्यक्ति हैं। आप सभी के साथ मित्रवत व्यवहार करना चाहते हैं। आप सभी सभी का आदर करते हैं। आप जानबूझ कर किसी के साथ भेदभाव नहीं करते। आपका जो भी बर्ताव होता है, शुद्ध अंतर्करण से होता है।

भाग्योदय द्वारा आपको सहज ही लाभ मिलने लगता है, आपको अधिक प्रयत्न करने की आवश्यकता नहीं होती। आपके पास नौकरचाकर, वाहन आदि सभी प्रकार की विलासिता की चीजें होती हैं। लेकिन यहां स्थित राहू के नकारात्मक प्रभाव के कारण आप अभिमानी हो सकते हैं। आप शंकालु और आलसी भी हो सकते हैं। आपको भाइयों का विरोध करने से बचना होगा।

## ॥ आपकी कुण्डली और ज्योतिष में ग्रह विचार ॥

### केतु विचार

आपकी कुण्डली में केतु मेष राशि में स्थित है। केतु नौवें घर में स्थित है। केतुदृष्टि पहले, तीसरे, पांचवें घरावर आहे गुरु,शनि,राहू की पूर्ण दृष्टि केतु पर है।

यहां स्थित केतू आपको पराक्रमी बनाता है। आप अपने साथ कोई अस्त्रशस्त्र लेकर चलना पसंद करेंगे। आप स्वभाव से उदार और दयालु होंगे। आप धर्म को महत्त्व देने वाले होंगे। दानधर्म और तप में भी आपकी अच्छी रुचि होगी। आपके क्लेश और कष्ट क्षणिक होंगे। आपको म्लेक्ष जाति से लाभ होगा और वे आपके कष्टों को दूर करने में भी सहायक होंगे।

आपको विदेश या विदेशियों से भी लाभ होगा और इसी माध्यम से भाग्योदय होगा। आप समाज में विशेष आदरणीय तो नहीं हो पाएंगे लेकिन सुखी और और भाग्यवान हो सकते हैं। लेकिन आपकी मित्रता कुछ गलत आचरण करने वालों से भी हो सकती है और आप उनकी संगति में कुछ अनैतिक काम करके धनलाभ कमाएंगे। आपको पुत्र सुख और धन का लाभ होगा।

यहां स्थित केतू सरकार के माध्यम से भी लाभ कराता है। लेकिन पिता के सुख में कमी लाता है। कभीकभी आपके द्वारा किए गए धार्मिक कृत्य दिखावा मात्र होते हैं। आपके सहोदर या भाइयों को कष्ट मिलता है। सगे भाई भी आपको कष्ट पहुंचा सकते हैं। संतान संबंधी चिंता रह सकती है। आपके बाजुओं में कुछ कष्ट रह सकता है। दूसरे धर्म या देश के लोगों से लाभ पाने की इच्छा रहती है।

## ॥ शोडषवर्ग तालिका ॥

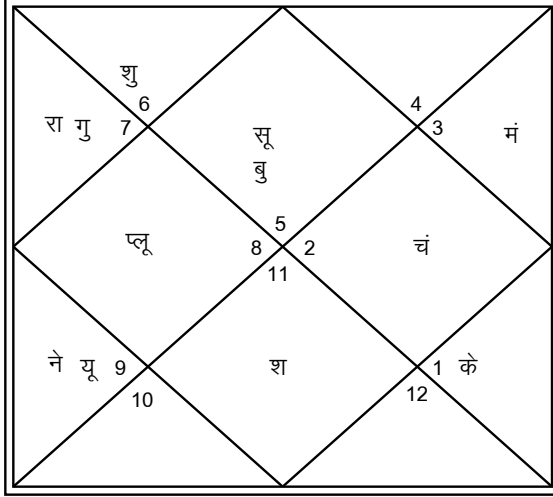
क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	5	5	2	3	5	7	6	11	7	1	9	9	8
2	होरा	4	5	4	5	4	4	5	4	4	4	4	4	4
3	द्रेष्काण	1	9	2	7	1	11	2	3	3	9	5	5	8
4	चतुर्थांश	2	8	5	6	2	1	3	5	4	10	6	6	8
5	सप्तमांश	11	7	10	6	11	10	6	2	0	6	3	3	2
6	नवमांश	9	4	12	11	8	11	6	11	2	8	9	9	4
7	दशमांश	2	8	1	7	1	12	11	4	3	9	6	6	4
8	द्वादशांश	4	9	5	8	3	1	5	5	4	10	8	7	8
9	षोडशांश	8	11	10	4	7	9	11	1	2	2	12	11	5
10	विंशांश	4	4	3	2	2	11	11	7	5	5	12	11	10
11	चतुर्विंशांश	4	2	11	4	2	5	2	5	12	12	4	2	5
12	सप्तविंशांश	3	11	12	7	12	9	4	8	5	11	3	1	11
13	त्रिंशांश	7	9	6	9	7	9	8	9	3	3	7	7	2
14	खवेदांश	4	4	7	7	12	9	7	9	9	9	3	1	9
15	अक्षवेदांश	1	10	7	6	8	12	2	4	1	1	4	1	7
16	षष्ट्यंश	3	4	9	7	9	2	1	5	8	2	7	3	11

## शोडषवर्ग भाव तालिका

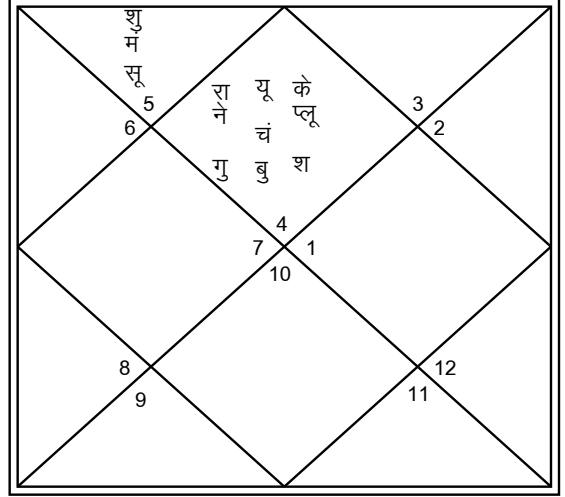
क्र.सं.	शोडषवर्ग	लग्न	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	यूरे	नेप	प्लू
1	लग्न	1	1	10	11	1	3	2	7	3	9	5	5	4
2	होरा	1	2	1	2	1	1	2	1	1	1	1	1	1
3	द्रेष्काण	1	9	2	7	1	11	2	3	3	9	5	5	8
4	चतुर्थांश	1	7	4	5	1	12	2	4	3	9	5	5	7
5	सप्तमांश	1	9	12	8	1	12	8	4	2	8	5	5	4
6	नवमांश	1	8	4	3	12	3	10	3	6	12	1	1	8
7	दशमांश	1	7	12	6	12	11	10	3	2	8	5	5	3
8	द्वादशांश	1	6	2	5	12	10	2	2	1	7	5	4	5
9	षोडशांश	1	4	3	9	12	2	4	6	7	7	5	4	10
10	विंशांश	1	1	12	11	11	8	8	4	2	2	9	8	7
11	चतुर्विंशांश	1	11	8	1	11	2	11	2	9	9	1	11	2
12	सप्तविंशांश	1	9	10	5	10	7	2	6	3	9	1	11	9
13	त्रिंशांश	1	3	12	3	1	3	2	3	9	9	1	1	8
14	खवेदांश	1	1	4	4	9	6	4	6	6	6	12	10	6
15	अक्षवेदांश	1	10	7	6	8	12	2	4	1	1	4	1	7
16	षष्ट्यंश	1	2	7	5	7	12	11	3	6	12	5	1	9

## ॥ शोडशवर्ग कुण्डलियाँ ॥

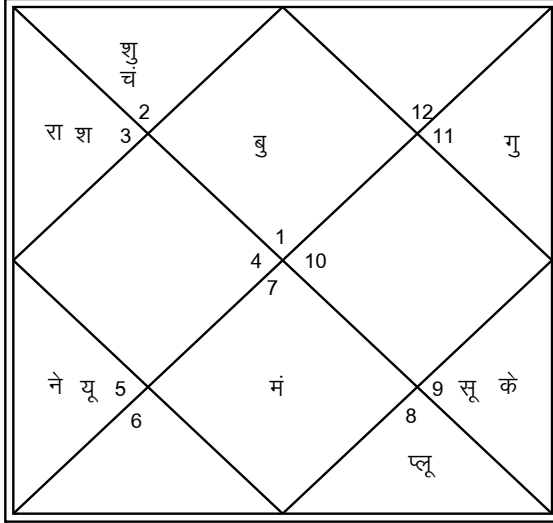
लग्न चक्र



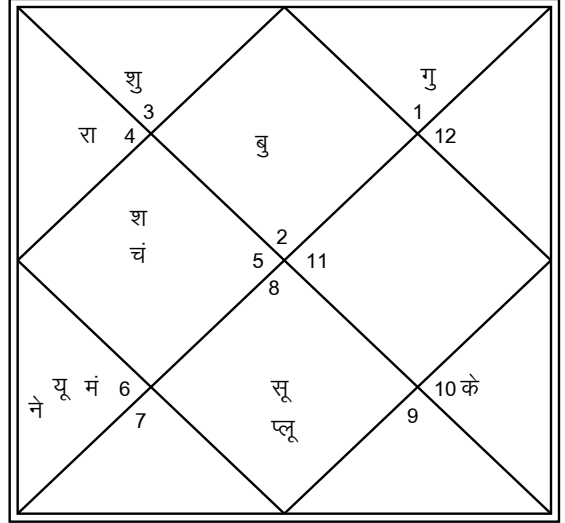
होरा-धन-सम्पत्ति



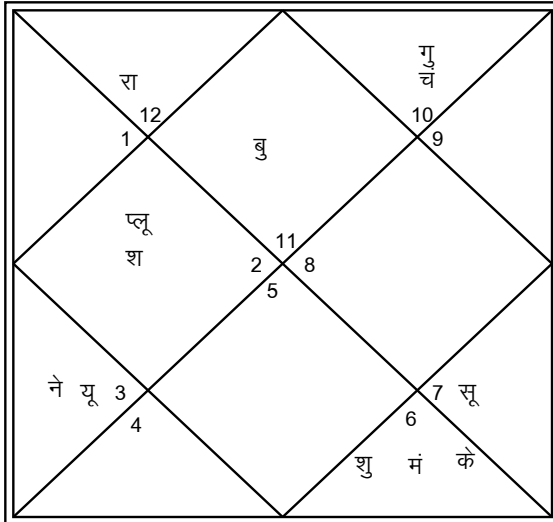
द्रेष्काण-भाई-बहन



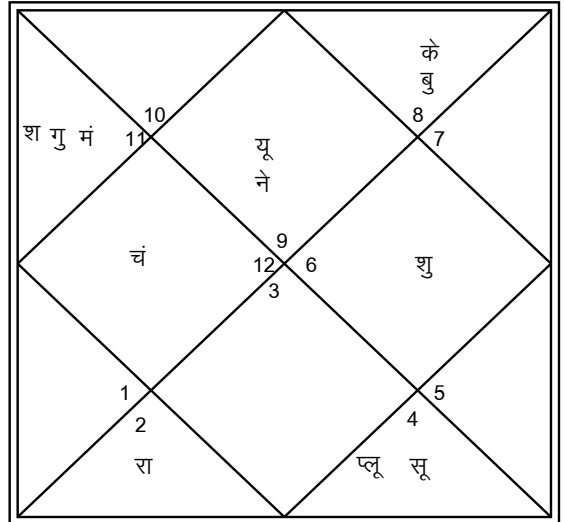
चतुर्थाश-भाग्य



सप्तमांश-बच्चे

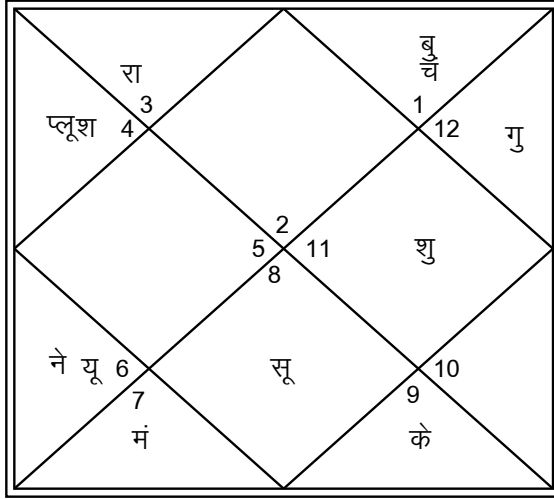


नवमांश-पति-पत्नी

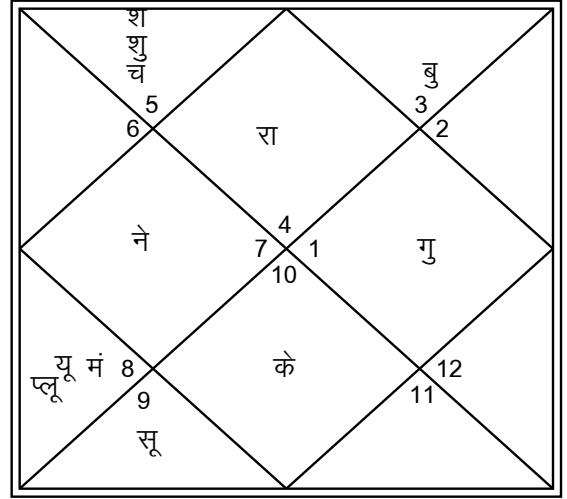


## ॥ शोडशवर्ग कुण्डलियाँ ॥

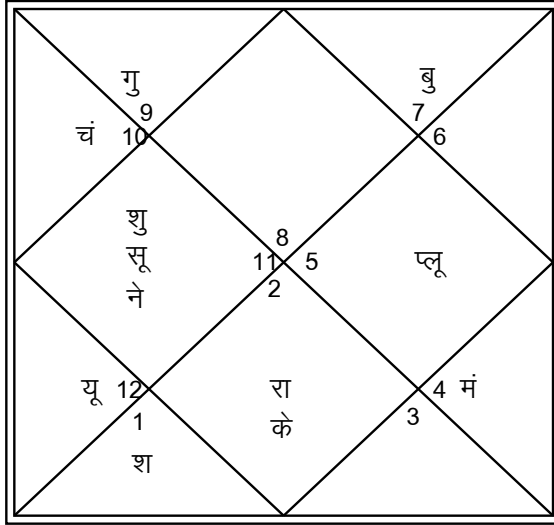
दशमांश-व्यवसाय



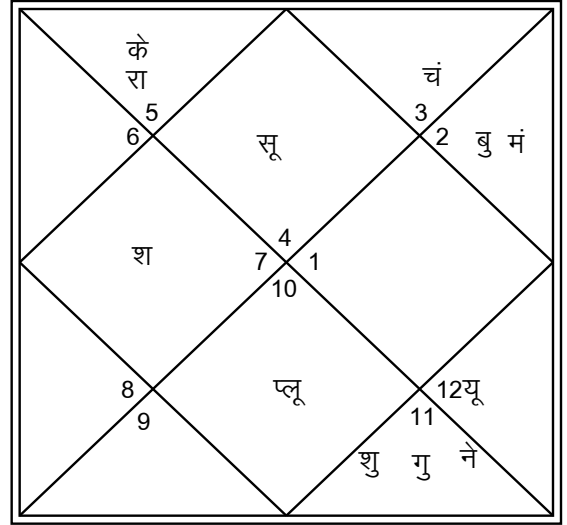
द्वादशांश-माता-पिता



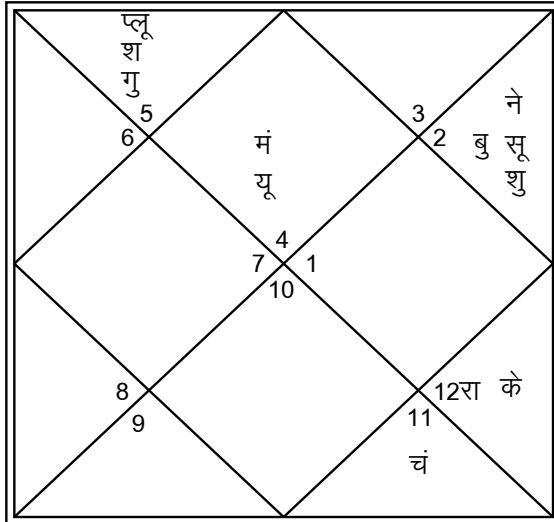
षोडशांश-वाहन



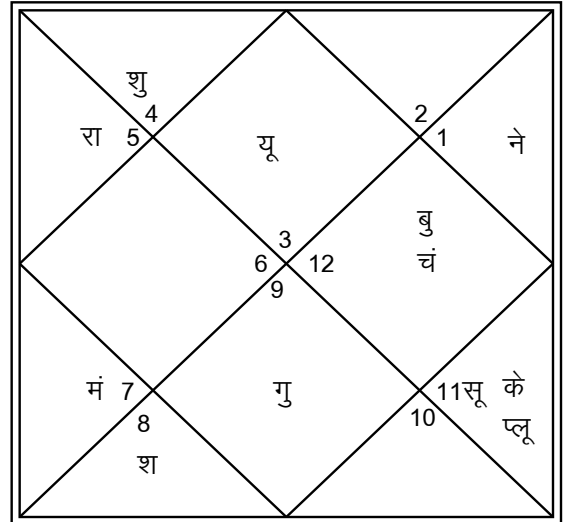
विंशांश-धार्मिक रुचि



सप्तविंशांश-बल



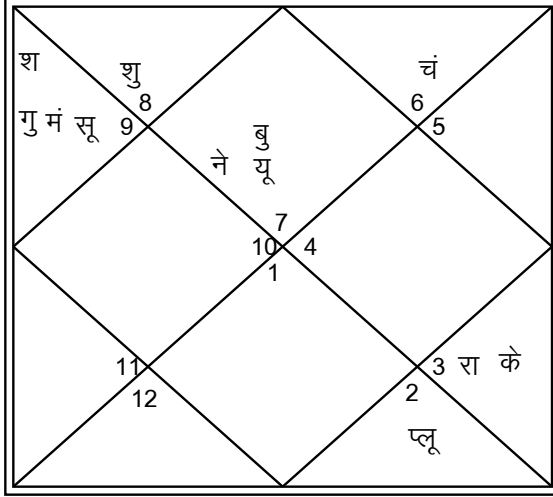
चतुर्विंशांश-शिक्षा



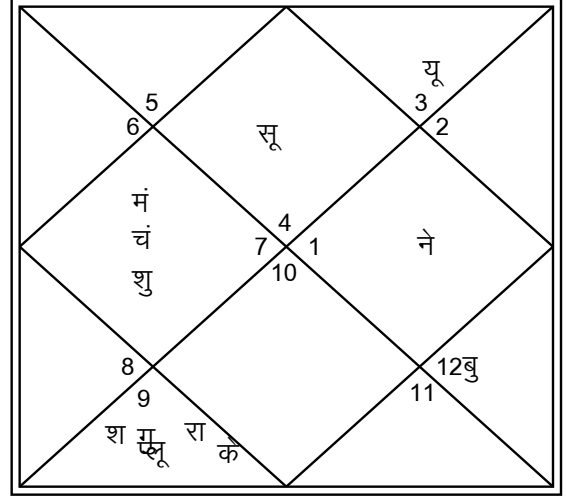


## ॥ शोडषवर्ग कुण्डलियाँ ॥

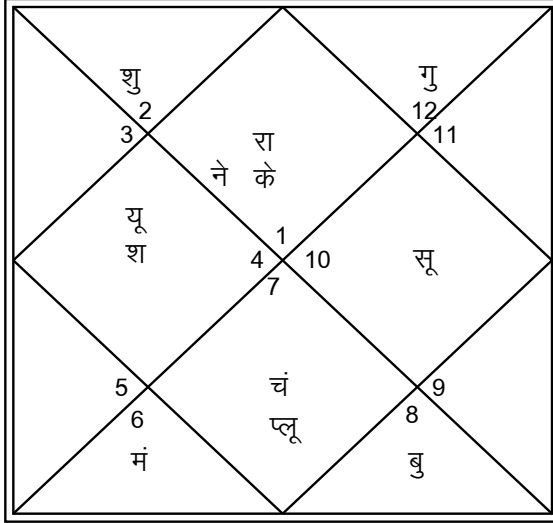
त्रिंशंश-दुर्भाग्य



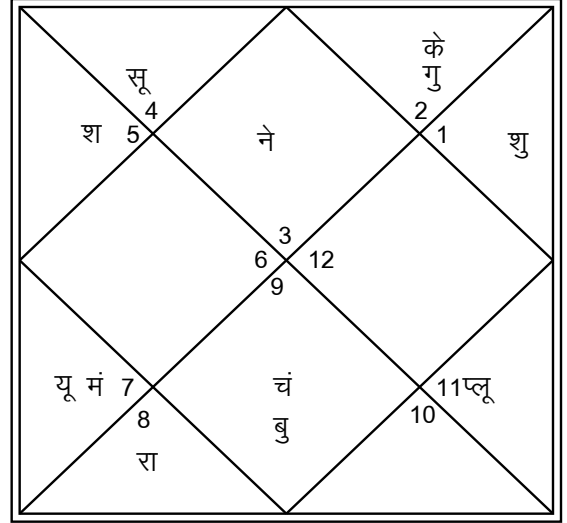
खवेदांश-शुभ फल



अक्षवेदांश-सामान्य जीवन



षष्ट्यंश-सामान्य जीवन



 **एस्ट्रोसेज  
शॉप**

**अभी खरीदें >>>**

+91 9560670006, 9911840093, 120 4138503

ए-139 सेक्टर 63, नोएडा यूपी

[www.AstroSage.com](http://www.AstroSage.com)

रत्न



रुद्राक्ष



माला



यंत्र



जड़ी

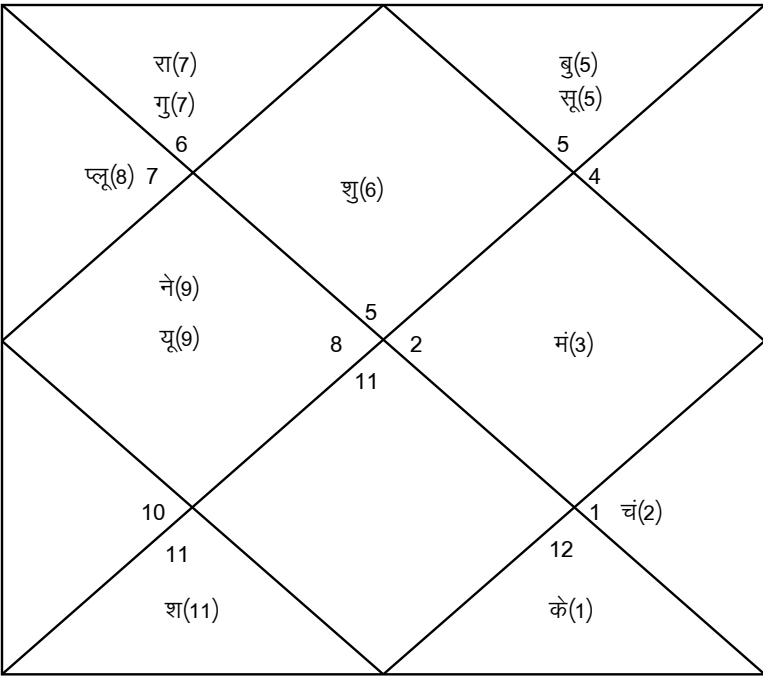


परामर्श



## ॥ केपी पद्धति ॥

नाम	Anil	सूर्योदय	06.06.49	दशा भोग्य	SUN 0 Y 2 M 7 D
लिंग	Male	तिथि	अष्टमी	सूर्यास्त	18.47.06
दिनांक	29.8.1994	रेखांश	76.1.E	करण	बालव
दिन	सोमवार	अक्षांश	23.19.N	लग्न स्वामी	सूर्य
समय	7.28.0	जन्म स्थान	Tarana	राशि स्वामी	शुक्र
साम्पातिक काल	05.30.14	अयनांश नाम	के.पी. नया	नक्षत्र स्वामी	सूर्य
		लग्न	सिंह		
		राशि	वृषभ		
		नक्षत्र	कृतिका-4		



सूर्य -6 वर्ष 29/8/94 से 23/10/94	
सूर्य	00/00/00
चंद्र	00/00/00
मंगल	00/00/00
राहु	00/00/00
गुरु	00/00/00
शनि	00/00/00
बुध	00/00/00
केतु	00/00/00
शुक्र	23/10/94

चंद्र -10 वर्ष 23/10/94 से 23/10/04	
चंद्र	23/8/95
मंगल	23/3/96
राहु	23/9/97
गुरु	23/1/99
शनि	23/8/00
बुध	23/1/02
केतु	23/8/02
शुक्र	23/4/04
सूर्य	23/10/04

मंगल -7 वर्ष 23/10/04 से 23/10/11	
मंगल	20/3/05
राहु	8/4/06
गुरु	14/3/07
शनि	23/4/08
बुध	20/4/09
केतु	17/9/09
शुक्र	17/11/10
सूर्य	23/3/11
चंद्र	23/10/11

राहु -18 वर्ष 23/10/11 से 23/10/29	
राहु	5/7/14
गुरु	29/11/16
शनि	5/10/19
बुध	23/4/22
केतु	11/5/23
शुक्र	11/5/26
सूर्य	5/4/27
चंद्र	5/10/28
मंगल	23/10/29

गुरु -16 वर्ष 23/10/29 से 23/10/45	
गुरु	11/12/31
शनि	23/6/34
बुध	29/9/36
केतु	5/9/37
शुक्र	5/5/40
सूर्य	23/2/41
चंद्र	23/6/42
मंगल	29/5/43
राहु	23/10/45

शनि -19 वर्ष 23/10/45 से 23/10/64	
शनि	26/10/48
बुध	5/7/51
केतु	14/8/52
शुक्र	14/10/55
सूर्य	26/9/56
चंद्र	26/4/58
मंगल	5/6/59
राहु	11/4/62
गुरु	23/10/64

बुध -17 वर्ष 23/10/64 से 23/10/81	
बुध	20/3/67
केतु	17/3/68
शुक्र	17/1/71
सूर्य	23/11/71
चंद्र	23/4/73
मंगल	20/4/74
राहु	8/11/76
गुरु	14/2/79
शनि	23/10/81

केतु -7 वर्ष 23/10/81 से 23/10/88	
केतु	20/3/82
शुक्र	20/5/83
सूर्य	26/9/83
चंद्र	26/4/84
मंगल	23/9/84
राहु	11/10/85
गुरु	17/9/86
शनि	26/10/87
बुध	23/10/88

शुक्र -20 वर्ष 23/10/88 से 23/10/08	
शुक्र	23/2/92
सूर्य	23/2/93
चंद्र	23/10/94
मंगल	23/12/95
राहु	23/12/98
गुरु	23/8/01
शनि	23/10/04
बुध	23/8/07
केतु	23/10/08

शासक ग्रह			
ग्रह	राशि स्वामी	नक्षत्र	सब स्वामी
लग्न	सूर्य	सूर्य	राहु
चन्द्र	शुक्र	सूर्य	शुक्र
दिन स्वामी		चंद्र	

भाव स्थिति					
भाव	डिग्री	राशि	नक्षत्र	सब स्वामी	सब स्वामी
1	149.28.46	सूर्य	सूर्य	राहु	राहु
2	178.03.08	बुध	मंगल	शनि	शनि
3	208.32.20	शुक्र	गुरु	शुक्र	बुध
4	239.28.36	मंगल	बुध	शनि	राहु
5	270.13.11	शनि	सूर्य	राहु	बुध
6	300.30.58	शनि	मंगल	बुध	शुक्र
7	329.28.46	शनि	गुरु	चंद्र	चंद्र
8	358.03.08	गुरु	बुध	शनि	शनि
9	028.32.20	मंगल	सूर्य	मंगल	राहु
10	059.28.36	शुक्र	मंगल	शनि	राहु
11	090.13.11	चंद्र	गुरु	चंद्र	बुध
12	120.30.58	सूर्य	केतु	केतु	गुरु

ग्रह स्थिति					
ग्रह	डिग्री	राशि	नक्षत्र	सब स्वामी	सब स्वामी
सूर्य	131.49.53	सूर्य	केतु	बुध	शुक्र
चन्द्र	039.40.21	शुक्र	सूर्य	शुक्र	बुध
मंगल	074.13.44	बुध	राहु	बुध	शनि
बुध	146.21.44	सूर्य	शुक्र	केतु	गुरु
गुरु	195.40.47	शुक्र	राहु	शुक्र	सूर्य
शुक्र	177.45.25	बुध	मंगल	गुरु	राहु
शनि	315.33.48	शनि	राहु	शुक्र	शुक्र
राहु	204.40.59	शुक्र	गुरु	बुध	चंद्र
केतु	024.40.59	मंगल	शुक्र	बुध	शुक्र
अरुण	269.15.08	गुरु	सूर्य	राहु	राहु
वरुण	267.08.16	गुरु	सूर्य	सूर्य	बुध
यम	211.41.17	मंगल	गुरु	राहु	गुरु

घर के कारक ग्रह					
भाव	ग्रह				
1	सू	चं	बु	शु	के
2	मं	बु	गु	श	रा
3	बु	शु	के		
4	मं	शु			
5	श				
6	श				
7	श				
8	सू	गु	रा	के	
9	चं	मं	शु		
10	मं	बु	शु	के	
11	चं				
12	सू	चं	बु		

ग्रह कारकत्व					
ग्रह	भाव				
सूर्य	1	8	12		
चन्द्र	1	9	11	12	
मंगल	2	4	9	10	
बुध	1	2	3	10	12
गुरु	2	8			
शुक्र	1	3	4	9	10
शनि	2	5	6	7	
राहु	2	8			
केतु	1	3	8	10	

दशा भोग्य: SUN 0 Y 2 M 7 D

## विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

चंद्र — चंद्र 29/ 8/94 से 23/ 8/95		चंद्र — मंगल 23/ 8/95 से 23/ 3/96		चंद्र — राहु 23/ 3/96 से 23/ 9/97		चंद्र — गुरु 23/ 9/97 से 23/ 1/99		चंद्र — शनि 23/ 1/99 से 23/ 8/00	
चंद्र	18/ 11/ 94	मंगल	5/ 9/ 95	राहु	14/ 6/ 96	गुरु	27/ 11/ 97	शनि	23/ 4/ 99
मंगल	5/ 12/ 94	राहु	6/ 10/ 95	गुरु	26/ 8/ 96	शनि	13/ 2/ 98	बुध	14/ 7/ 99
राहु	20/ 1/ 95	गुरु	4/ 11/ 95	शनि	21/ 11/ 96	बुध	21/ 4/ 98	केतु	17/ 8/ 99
गुरु	2/ 3/ 95	शनि	8/ 12/ 95	बुध	8/ 2/ 97	केतु	19/ 5/ 98	शुक्र	22/ 11/ 99
शनि	18/ 4/ 95	बुध	7/ 1/ 96	केतु	9/ 3/ 97	शुक्र	9/ 8/ 98	सूर्य	20/ 12/ 99
बुध	30/ 5/ 95	केतु	20/ 1/ 96	शुक्र	9/ 6/ 97	सूर्य	3/ 9/ 98	चंद्र	8/ 2/ 00
केतु	18/ 6/ 95	शुक्र	25/ 2/ 96	सूर्य	6/ 7/ 97	चंद्र	13/ 10/ 98	मंगल	11/ 3/ 00
शुक्र	8/ 8/ 95	सूर्य	5/ 3/ 96	चंद्र	21/ 8/ 97	मंगल	11/ 11/ 98	राहु	7/ 6/ 00
सूर्य	23/ 8/ 95	चंद्र	23/ 3/ 96	मंगल	23/ 9/ 97	राहु	23/ 1/ 99	गुरु	23/ 8/ 00

चंद्र — बुध 23/ 8/00 से 23/ 1/02		चंद्र — केतु 23/ 1/02 से 23/ 8/02		चंद्र — शुक्र 23/ 8/02 से 23/ 4/04		चंद्र — सूर्य 23/ 4/04 से 23/ 10/04		मंगल — मंगल 23/ 10/04 से 20/ 3/05	
बुध	5/ 11/ 00	केतु	5/ 2/ 02	शुक्र	3/ 12/ 02	सूर्य	2/ 5/ 04	मंगल	1/ 11/ 04
केतु	5/ 12/ 00	शुक्र	10/ 3/ 02	सूर्य	3/ 1/ 03	चंद्र	17/ 5/ 04	राहु	23/ 11/ 04
शुक्र	2/ 3/ 01	सूर्य	20/ 3/ 02	चंद्र	23/ 2/ 03	मंगल	27/ 5/ 04	गुरु	13/ 12/ 04
सूर्य	25/ 3/ 01	चंद्र	8/ 4/ 02	मंगल	28/ 3/ 03	राहु	24/ 6/ 04	शनि	6/ 1/ 05
चंद्र	8/ 5/ 01	मंगल	20/ 4/ 02	राहु	28/ 6/ 03	गुरु	18/ 7/ 04	बुध	27/ 1/ 05
मंगल	7/ 6/ 01	राहु	22/ 5/ 02	गुरु	18/ 9/ 03	शनि	17/ 8/ 04	केतु	5/ 2/ 05
राहु	24/ 8/ 01	गुरु	20/ 6/ 02	शनि	23/ 12/ 03	बुध	12/ 9/ 04	शुक्र	2/ 3/ 05
गुरु	2/ 11/ 01	शनि	23/ 7/ 02	बुध	18/ 3/ 04	केतु	23/ 9/ 04	सूर्य	7/ 3/ 05
शनि	23/ 1/ 02	बुध	23/ 8/ 02	केतु	23/ 4/ 04	शुक्र	23/ 10/ 04	चंद्र	20/ 3/ 05

मंगल — राहु 20/ 3/05 से 8/ 4/06		मंगल — गुरु 8/ 4/06 से 14/ 3/07		मंगल — शनि 14/ 3/07 से 23/ 4/08		मंगल — बुध 23/ 4/08 से 20/ 4/09		मंगल — केतु 20/ 4/09 से 17/ 9/09	
राहु	16/ 5/ 05	गुरु	22/ 5/ 06	शनि	17/ 5/ 07	बुध	13/ 6/ 08	केतु	28/ 4/ 09
गुरु	7/ 7/ 05	शनि	16/ 7/ 06	बुध	13/ 7/ 07	केतु	4/ 7/ 08	शुक्र	23/ 5/ 09
शनि	6/ 9/ 05	बुध	3/ 9/ 06	केतु	7/ 8/ 07	शुक्र	3/ 9/ 08	सूर्य	30/ 5/ 09
बुध	30/ 10/ 05	केतु	23/ 9/ 06	शुक्र	13/ 10/ 07	सूर्य	21/ 9/ 08	चंद्र	12/ 6/ 09
केतु	22/ 11/ 05	शुक्र	19/ 11/ 06	सूर्य	3/ 11/ 07	चंद्र	21/ 10/ 08	मंगल	21/ 6/ 09
शुक्र	25/ 1/ 06	सूर्य	6/ 12/ 06	चंद्र	6/ 12/ 07	मंगल	12/ 11/ 08	राहु	13/ 7/ 09
सूर्य	14/ 2/ 06	चंद्र	4/ 1/ 07	मंगल	29/ 12/ 07	राहु	5/ 1/ 09	गुरु	2/ 8/ 09
चंद्र	15/ 3/ 06	मंगल	23/ 1/ 07	राहु	1/ 3/ 08	गुरु	23/ 2/ 09	शनि	26/ 8/ 09
मंगल	8/ 4/ 06	राहु	14/ 3/ 07	गुरु	23/ 4/ 08	शनि	20/ 4/ 09	बुध	17/ 9/ 09

दशा भोग्य: SUN 0 Y 2 M 7 D

## विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

मंगल — शुक्र 17/ 9/09 से 17/11/10		मंगल — सूर्य 17/11/10 से 23/ 3/11		मंगल — चंद्र 23/ 3/11 से 23/10/11		राहु — राहु 23/10/11 से 5/ 7/14		राहु — गुरु 5/ 7/14 से 29/11/16	
शुक्र	27/11/09	सूर्य	23/11/10	चंद्र	10/4/11	राहु	18/3/12	गुरु	30/10/14
सूर्य	18/12/09	चंद्र	3/12/10	मंगल	22/4/11	गुरु	28/7/12	शनि	17/3/15
चंद्र	23/1/10	मंगल	11/12/10	राहु	24/5/11	शनि	2/1/13	बुध	19/7/15
मंगल	17/2/10	राहु	30/12/10	गुरु	22/6/11	बुध	20/5/13	केतु	9/9/15
राहु	20/4/10	गुरु	16/1/11	शनि	25/7/11	केतु	16/7/13	शुक्र	3/2/16
गुरु	16/6/10	शनि	6/2/11	बुध	25/8/11	शुक्र	28/12/13	सूर्य	17/3/16
शनि	23/8/10	बुध	24/2/11	केतु	7/9/11	सूर्य	17/2/14	चंद्र	29/5/16
बुध	22/10/10	केतु	2/3/11	शुक्र	12/10/11	चंद्र	8/5/14	मंगल	19/7/16
केतु	17/11/10	शुक्र	23/3/11	सूर्य	23/10/11	मंगल	5/7/14	राहु	29/11/16

राहु — शनि 29/11/16 से 5/10/19		राहु — बुध 5/10/19 से 23/ 4/22		राहु — केतु 23/ 4/22 से 11/ 5/23		राहु — शुक्र 11/ 5/23 से 11/ 5/26		राहु — सूर्य 11/ 5/26 से 5/ 4/27	
शनि	11/5/17	बुध	15/2/20	केतु	15/5/22	शुक्र	11/11/23	सूर्य	27/5/26
बुध	6/10/17	केतु	8/4/20	शुक्र	18/7/22	सूर्य	5/1/24	चंद्र	24/6/26
केतु	6/12/17	शुक्र	11/9/20	सूर्य	6/8/22	चंद्र	5/4/24	मंगल	13/7/26
शुक्र	27/5/18	सूर्य	27/10/20	चंद्र	8/9/22	मंगल	8/6/24	राहु	1/9/26
सूर्य	18/7/18	चंद्र	14/1/21	मंगल	30/9/22	राहु	20/11/24	गुरु	14/10/26
चंद्र	14/10/18	मंगल	7/3/21	राहु	27/11/22	गुरु	14/4/25	शनि	6/12/26
मंगल	14/12/18	राहु	25/7/21	गुरु	17/1/23	शनि	5/10/25	बुध	22/1/27
राहु	18/5/19	गुरु	27/11/21	शनि	17/3/23	बुध	8/3/26	केतु	11/2/27
गुरु	5/10/19	शनि	23/4/22	बुध	11/5/23	केतु	11/5/26	शुक्र	5/4/27

राहु — चंद्र 5/ 4/27 से 5/10/28		राहु — मंगल 5/10/28 से 23/10/29		गुरु — गुरु 23/10/29 से 11/12/31		गुरु — शनि 11/12/31 से 23/ 6/34		गुरु — बुध 23/ 6/34 से 29/ 9/36	
चंद्र	20/5/27	मंगल	27/10/28	गुरु	5/2/30	शनि	5/5/32	बुध	18/10/34
मंगल	21/6/27	राहु	23/12/28	शनि	7/6/30	बुध	14/9/32	केतु	6/12/34
राहु	12/9/27	गुरु	14/2/29	बुध	25/9/30	केतु	7/11/32	शुक्र	22/4/35
गुरु	24/11/27	शनि	14/4/29	केतु	10/11/30	शुक्र	9/4/33	सूर्य	3/6/35
शनि	20/2/28	बुध	7/6/29	शुक्र	18/3/31	सूर्य	25/5/33	चंद्र	11/8/35
बुध	6/5/28	केतु	29/6/29	सूर्य	27/4/31	चंद्र	11/8/33	मंगल	28/9/35
केतु	8/6/28	शुक्र	2/9/29	चंद्र	1/7/31	मंगल	4/10/33	राहु	1/2/36
शुक्र	8/9/28	सूर्य	21/9/29	मंगल	15/8/31	राहु	21/2/34	गुरु	19/5/36
सूर्य	5/10/28	चंद्र	23/10/29	राहु	11/12/31	गुरु	23/6/34	शनि	29/9/36

दशा भोग्य: SUN 0 Y 2 M 7 D

## विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

गुरु — केतु 29/ 9/36 से 5/ 9/37		गुरु — शुक्र 5/ 9/37 से 5/ 5/40		गुरु — सूर्य 5/ 5/40 से 23/ 2/41		गुरु — चंद्र 23/ 2/41 से 23/ 6/42		गुरु — मंगल 23/ 6/42 से 29/ 5/43	
केतु	18/ 10/ 36	शुक्र	15/ 2/ 38	सूर्य	19/ 5/ 40	चंद्र	3/ 4/ 41	मंगल	12/ 7/ 42
शुक्र	14/ 12/ 36	सूर्य	3/ 4/ 38	चंद्र	13/ 6/ 40	मंगल	1/ 5/ 41	राहु	3/ 9/ 42
सूर्य	1/ 1/ 37	चंद्र	23/ 6/ 38	मंगल	30/ 6/ 40	राहु	13/ 7/ 41	गुरु	17/ 10/ 42
चंद्र	29/ 1/ 37	मंगल	19/ 8/ 38	राहु	13/ 8/ 40	गुरु	17/ 9/ 41	शनि	11/ 12/ 42
मंगल	19/ 2/ 37	राहु	13/ 1/ 39	गुरु	21/ 9/ 40	शनि	3/ 12/ 41	बुध	28/ 1/ 43
राहु	9/ 4/ 37	गुरु	21/ 5/ 39	शनि	7/ 11/ 40	बुध	11/ 2/ 42	केतु	18/ 2/ 43
गुरु	24/ 5/ 37	शनि	23/ 10/ 39	बुध	18/ 12/ 40	केतु	9/ 3/ 42	शुक्र	14/ 4/ 43
शनि	17/ 7/ 37	बुध	9/ 3/ 40	केतु	5/ 1/ 41	शुक्र	29/ 5/ 42	सूर्य	1/ 5/ 43
बुध	5/ 9/ 37	केतु	5/ 5/ 40	शुक्र	23/ 2/ 41	सूर्य	23/ 6/ 42	चंद्र	29/ 5/ 43

गुरु — राहु 29/ 5/43 से 23/ 10/45		शनि — शनि 23/ 10/45 से 26/ 10/48		शनि — बुध 26/ 10/48 से 5/ 7/51		शनि — केतु 5/ 7/51 से 14/ 8/52		शनि — शुक्र 14/ 8/52 से 14/ 10/55	
राहु	8/ 10/ 43	शनि	14/ 4/ 46	बुध	13/ 3/ 49	केतु	28/ 7/ 51	शुक्र	24/ 2/ 53
गुरु	3/ 2/ 44	बुध	17/ 9/ 46	केतु	9/ 5/ 49	शुक्र	4/ 10/ 51	सूर्य	21/ 4/ 53
शनि	20/ 6/ 44	केतु	21/ 11/ 46	शुक्र	21/ 10/ 49	सूर्य	24/ 10/ 51	चंद्र	26/ 7/ 53
बुध	23/ 10/ 44	शुक्र	21/ 5/ 47	सूर्य	9/ 12/ 49	चंद्र	28/ 11/ 51	मंगल	2/ 10/ 53
केतु	13/ 12/ 44	सूर्य	15/ 7/ 47	चंद्र	2/ 3/ 50	मंगल	21/ 12/ 51	राहु	23/ 3/ 54
शुक्र	7/ 5/ 45	चंद्र	16/ 10/ 47	मंगल	27/ 4/ 50	राहु	21/ 2/ 52	गुरु	25/ 8/ 54
सूर्य	20/ 6/ 45	मंगल	19/ 12/ 47	राहु	22/ 9/ 50	गुरु	14/ 4/ 52	शनि	26/ 2/ 55
चंद्र	2/ 9/ 45	राहु	1/ 6/ 48	गुरु	1/ 2/ 51	शनि	17/ 6/ 52	बुध	7/ 8/ 55
मंगल	23/ 10/ 45	गुरु	26/ 10/ 48	शनि	5/ 7/ 51	बुध	14/ 8/ 52	केतु	14/ 10/ 55

शनि — सूर्य 14/ 10/55 से 26/ 9/56		शनि — चंद्र 26/ 9/56 से 26/ 4/58		शनि — मंगल 26/ 4/58 से 5/ 6/59		शनि — राहु 5/ 6/59 से 11/ 4/62		शनि — गुरु 11/ 4/62 से 23/ 10/64	
सूर्य	1/ 11/ 55	चंद्र	13/ 11/ 56	मंगल	19/ 5/ 58	राहु	8/ 11/ 59	गुरु	12/ 8/ 62
चंद्र	29/ 11/ 55	मंगल	16/ 12/ 56	राहु	19/ 7/ 58	गुरु	25/ 3/ 60	शनि	7/ 1/ 63
मंगल	19/ 12/ 55	राहु	12/ 3/ 57	गुरु	12/ 9/ 58	शनि	8/ 9/ 60	बुध	16/ 5/ 63
राहु	10/ 2/ 56	गुरु	28/ 5/ 57	शनि	15/ 11/ 58	बुध	3/ 2/ 61	केतु	9/ 7/ 63
गुरु	26/ 3/ 56	शनि	28/ 8/ 57	बुध	12/ 1/ 59	केतु	3/ 4/ 61	शुक्र	11/ 12/ 63
शनि	20/ 5/ 56	बुध	19/ 11/ 57	केतु	5/ 2/ 59	शुक्र	24/ 9/ 61	सूर्य	27/ 1/ 64
बुध	9/ 7/ 56	केतु	22/ 12/ 57	शुक्र	11/ 4/ 59	सूर्य	15/ 11/ 61	चंद्र	13/ 4/ 64
केतु	29/ 7/ 56	शुक्र	27/ 3/ 58	सूर्य	1/ 5/ 59	चंद्र	11/ 2/ 62	मंगल	6/ 6/ 64
शुक्र	26/ 9/ 56	सूर्य	26/ 4/ 58	चंद्र	5/ 6/ 59	मंगल	11/ 4/ 62	राहु	23/ 10/ 64

दशा भोग्य: SUN 0 Y 2 M 7 D

## विंशोत्तरी दशा

अयनांश नाम: के.पी. नया

बुध — बुध 23/10/64 से 20/ 3/67		बुध — केतु 20/ 3/67 से 17/ 3/68		बुध — शुक्र 17/ 3/68 से 17/ 1/71		बुध — सूर्य 17/ 1/71 से 23/11/71		बुध — चंद्र 23/11/71 से 23/ 4/73	
बुध	25/ 2/65	केतु	10/ 4/67	शुक्र	7/ 9/68	सूर्य	2/ 2/71	चंद्र	5/ 1/72
केतु	16/ 4/65	शुक्र	10/ 6/67	सूर्य	28/10/68	चंद्र	27/ 2/71	मंगल	5/ 2/72
शुक्र	10/ 9/65	सूर्य	28/ 6/67	चंद्र	23/ 1/69	मंगल	15/ 3/71	राहु	21/ 4/72
सूर्य	24/10/65	चंद्र	27/ 7/67	मंगल	22/ 3/69	राहु	1/ 5/71	गुरु	29/ 6/72
चंद्र	6/ 1/66	मंगल	18/ 8/67	राहु	25/ 8/69	गुरु	12/ 6/71	शनि	20/ 9/72
मंगल	27/ 2/66	राहु	12/10/67	गुरु	11/ 1/70	शनि	30/ 7/71	बुध	2/12/72
राहु	7/ 7/66	गुरु	29/11/67	शनि	23/ 6/70	बुध	14/ 9/71	केतु	2/ 1/73
गुरु	2/11/66	शनि	26/ 1/68	बुध	17/11/70	केतु	2/10/71	शुक्र	27/ 3/73
शनि	20/ 3/67	बुध	17/ 3/68	केतु	17/ 1/71	शुक्र	23/11/71	सूर्य	23/ 4/73

बुध — मंगल 23/ 4/73 से 20/ 4/74		बुध — राहु 20/ 4/74 से 8/11/76		बुध — गुरु 8/11/76 से 14/ 2/79		बुध — शनि 14/ 2/79 से 23/10/81	
मंगल	13/ 5/73	राहु	7/ 9/74	गुरु	26/ 2/77	शनि	17/ 7/79
राहु	7/ 7/73	गुरु	10/ 1/75	शनि	6/ 7/77	बुध	4/12/79
गुरु	25/ 8/73	शनि	5/ 6/75	बुध	1/11/77	केतु	1/ 2/80
शनि	21/10/73	बुध	15/10/75	केतु	19/12/77	शुक्र	12/ 7/80
बुध	12/12/73	केतु	9/12/75	शुक्र	5/ 5/78	सूर्य	1/ 9/80
केतु	2/ 1/74	शुक्र	12/ 5/76	सूर्य	16/ 6/78	चंद्र	21/11/80
शुक्र	2/ 3/74	सूर्य	27/ 6/76	चंद्र	24/ 8/78	मंगल	18/ 1/81
सूर्य	20/ 3/74	चंद्र	14/ 9/76	मंगल	11/10/78	राहु	13/ 6/81
चंद्र	20/ 4/74	मंगल	8/11/76	राहु	14/ 2/79	गुरु	23/10/81

## ॥ मैत्री चक्र ॥

## नैसर्गिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	...	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	...	सम	मित्र	सम	सम	सम
मंगल	मित्र	मित्र	...	शत्रु	मित्र	सम	सम
बुध	मित्र	शत्रु	सम	...	सम	मित्र	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	...	शत्रु	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	...	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	...

## तात्कालिक मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	...	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु
चंद्र	मित्र	...	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	...	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
बुध	शत्रु	मित्र	मित्र	...	मित्र	मित्र	शत्रु
गुरु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	...	मित्र	शत्रु
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	...	शत्रु
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	...

## पंचधा मैत्री

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	...	अतिमित्र	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	अतिशत्रु
चंद्र	अतिमित्र	...	मित्र	अतिमित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	...	सम	सम	मित्र	शत्रु
बुध	सम	सम	मित्र	...	मित्र	अतिमित्र	शत्रु
गुरु	अतिमित्र	सम	सम	सम	...	सम	शत्रु
शुक्र	सम	अतिशत्रु	मित्र	अतिमित्र	मित्र	...	सम
शनि	अतिशत्रु	सम	अतिशत्रु	सम	शत्रु	सम	...



## ॥ षड्बल एवं भावबल तालिका ॥

षड्बल, वैदिक ज्योतिष में एक विधि है जो ग्रहों और घरों की ताकत में त्वरित जानकारी देता है। संस्कृत, इसका मतलब है छह इसलिए षड्बल ताकत के 6 विभिन्न स्रोतों के होते हैं। षड्बल गणना एक थका देने वाली प्रक्रिया है लेकिन कंप्यूटर को एक धन्यवाद जो सिर्फ एक माउस क्लिक करके इन ताकत की गणना को प्राप्त कर सकते हैं। षड्बल विधि प्रत्येक ग्रह और प्रत्येक घर के लिए एक मूल्य देता है। अधिक अंक एक घर और एक ग्रह में प्राप्त होते हैं तो षड्बल मजबूत होता है।

### षड्बल तालिका

	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	19.42	57.81	14.62	53.76	26.47	0.22	21.51
सप्तवर्गज बल	172.5	101.25	93.75	101.25	63.75	127.5	103.12
ओजयुग्मरस्यांश बल	15	30	30	15	30	30	30
केन्द्र बल	60	60	30	60	15	30	60
द्रेष्काण बल	1	1	1	1	1	1	1
कुल स्थान बल	266.92	249.06	168.37	230.01	135.22	202.72	229.63
कुल दिग्बल	35.88	6.6	55.08	58.96	44.6	39.43	55.36
नतोन्त बल	35.09	24.91	24.91	60	35.09	35.09	24.91
पक्ष बल	29.28	61.44	29.28	29.28	30.72	30.72	29.28
त्रिभाग बल	0	0	0	60	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	30	0	0	0
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	60	0	0	0	0	0
अयन बल	84.06	3.51	59.43	35	11.46	19.4	40.26
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल काल बल	148.43	194.86	113.62	214.28	137.27	85.21	109.46
कुल चेष्टा बल	38.16	30.72	26.92	9.32	23.79	40	58.08
कुल नैसर्गिक बल	60	51.42	17.16	25.74	34.26	42.84	8.58
कुल द्रिक् बल	-27.08	-9.12	3.37	-29.6	-24.75	-28.18	-23.92
कुल षड्बल	522.3	523.54	384.52	508.72	350.38	382.02	437.19
षड्बल (रूपस)	8.71	8.73	6.41	8.48	5.84	6.37	7.29
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	6.5	5.5	5
अनुपात	1.74	1.45	1.28	1.21	0.9	1.16	1.46
सापेक्षिक क्रम	1	3	4	5	7	6	2

### भावबल तालिका

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपती बल	522.3	508.72	382.02	384.52	350.38	437.19	437.19	350.38	384.52	382.02	508.72	523.54
भाव दिग्बल	30	50	40	30	10	40	0	20	50	60	40	20
भावदृष्टि बल	-29.6	-28.92	-45.41	-74.82	-12.01	12	-31.04	-13.69	11.92	20.89	50.14	-9.46
कुल भाव बल	522.71	529.8	376.6	339.71	348.38	489.19	406.15	356.7	446.45	462.91	598.85	534.07
कुल भाव बल (रूपस में)	8.71	8.83	6.28	5.66	5.81	8.15	6.77	5.94	7.44	7.72	9.98	8.9
सापेक्षिक क्रम	4	3	9	12	11	5	8	10	7	6	1	2

## ॥ ग्रह दृष्टि (पाश्चात्य) ॥

	सूर्य 131 49	चंद्र 39 40	मंगल 74 13	बुध 146 21	गुरु 195 40	शुक्र 177 45	शनि 315 33	राहु 204 40	केतु 24 40	अरुण 269 15	वरुण 267 8	यम 211 41
सूर्य 131. 49	..	..	..	युति 0.31	तृती 1.08	अर्धद्वितीय 0.07	सप्त 7.51	पंचा 0.15	..	..	अष्टा 0.69	..
चंद्र 39. 40	चतुर्थ 1.92	..	..	..	..	..	..	सप्त 0.01	..	..	..	सप्त 4.68
मंगल 74. 13	तृती 1.8	..	..	पंचा 0.87	पंच 2.27	..	..	..	..	..	सप्त 1.39	..
बुध 146. 21	..	..	..	..	..	..	सप्त 2.8	तृती 2.16	..	पंच 1.56	पंच 2.61	तृती 0.34
गुरु 195. 40	..	..	..	..	..	..	पंच 2.94	युति 4.0	..	..	पंचा 0.46	..
शुक्र 177. 45	..	..	..	..	..	..	..	..	..	चतुर्थ 2.25	चतुर्थ 2.69	..
शनि 315. 33	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
राहु 204. 40	..	..	..	..	..	..	..	..	..	तृती 0.72	तृती 1.77	युति 5.33
केतु 24. 40	..	युति 0.01	..	पंच 2.16	सप्त 4.0	..	..	सप्त 10.0	..	..	..	सप्त 5.33
अरुण 269. 15	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..	..
वरुण 267. 8	..	..	..	..	..	..	..	..	..	युति 8.59	..	..
यम 211. 41	..	..	..	..	..	..	..	..	..	तृती 1.78	तृती 0.72	..

## नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	पष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

3. ग्रहों के नाम के नीचे ग्रहों के अंश व कला दिए गए हैं।

4. एप्पलाइंग दृष्टि के लिए बाएं से ऊपर देखें और सेपरेटिंग दृष्टि के लिए ऊपर से बाएं देखें।

## ॥ भावमध्य पर दृष्टि ॥

	1 149 28	2 179 28	3 209 28	4 239 28	5 269 28	6 299 28	7 329 28	8 359 28	9 29 28	10 59 28	11 89 28	12 119 28
सूर्य 131. 49	..	..	..	..	..	सप्त 1.76	..	..	..	..	..	..
चंद्र 39. 40	..	..	सप्त 3.2	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मंगल 74. 13	..	..	अष्टा 0.75	सप्त 0.17	..	..	..	..	..	..	..	अर्धद्वितीय 0.75
बुध 146. 21	युति 7.92	..	तृती 1.44	चतुर्थ 1.44	पंच 1.44	..	सप्त 7.92	..	..	..	..	..
गुरु 195. 40	..	..	युति 0.8	..	..	..	..	..	..	..	..	..
शुक्र 177. 45	..	युति 8.85	..	तृती 2.14	चतुर्थ 2.14	पंच 2.14	..	सप्त 8.85	..	..	..	..
शनि 315. 33	..	..	..	..	..	..	युति 0.72	..	..	..	..	..
राहु 204. 40	..	..	युति 6.8	..	तृती 0.6	चतुर्थ 0.6	पंच 0.6	..	..	..	..	..
केतु 24. 40	पंच 0.6	..	सप्त 6.8	..	..	..	..	..	युति 6.8	..	तृती 0.6	चतुर्थ 0.6
अरुण 269. 15	..	..	..	..	युति 9.85	..	तृती 2.89	चतुर्थ 2.89	..	..	..	..
वरुण 267. 8	..	..	..	..	युति 8.44	..	तृती 1.83	चतुर्थ 1.83	..	..	..	..
यम 211. 41	..	..	..	..	तृती 1.89	चतुर्थ 1.9	पंच 1.9	..	..	..	..	..

## नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

3. चलित चक्र की भावमध्य अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।

4. तालिका में ग्रहों की भाव मध्य पर एप्पलाइड दिखाई गई है।

## ॥ केपी संधि पर दृष्टि ॥

	1 149 28	2 178 3	3 208 32	4 239 28	5 270 13	6 300 30	7 329 28	8 358 3	9 28 32	10 59 28	11 90 13	12 120 30
सूर्य 131. 49	..	..	..	..	..	सप्त 2.46	..	..	..	..	..	..
चंद्र 39. 40	..	..	सप्त 2.58	..	..	..	..	..	..	..	..	..
मंगल 74. 13	..	..	अष्टा 0.31	सप्त 0.17	..	..	..	..	..	..	..	..
बुध 146. 21	युति 7.92	..	तृती 1.91	चतुर्थ 1.44	पंच 1.07	..	सप्त 7.92	..	..	..	..	..
गुरु 195. 40	..	..	युति 1.43	..	..	..	..	..	..	..	..	..
शुक्र 177. 45	..	युति 9.8	..	तृती 2.14	चतुर्थ 1.77	पंच 1.62	..	सप्त 9.8	..	..	..	..
शनि 315. 33	..	..	..	..	..	..	युति 0.72	..	..	..	..	..
राहु 204. 40	..	..	युति 7.43	..	तृती 0.23	चतुर्थ 0.08	पंच 0.6	..	..	..	..	..
केतु 24. 40	पंच 0.6	..	सप्त 7.43	..	..	..	..	..	युति 7.43	..	तृती 0.23	चतुर्थ 0.08
अरुण 269. 15	..	..	..	..	युति 9.35	..	तृती 2.89	चतुर्थ 2.4	..	..	..	..
वरुण 267. 8	..	..	..	..	युति 7.95	..	तृती 1.83	चतुर्थ 2.54	..	..	..	..
यम 211. 41	..	..	..	..	तृती 2.27	चतुर्थ 2.41	पंच 1.9	..	..	..	..	..

## नोट :

1. गणना में निम्नलिखित दृष्टियों का उपयोग किया गया है :

संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन	संक्षिप्त-दृष्टि	अंश	दायरा	वजन
युति	0	15	10	सप्त	180	15	10
पंच	120	6	3	चतुर्थ	90	6	3
तृती	60	6	3	अर्धद्वितीय	45	1	1
नवां	40	1	1	पंचा	72	1	1
अष्टा	135	1	1	षष्ठ	150	1	1

2. तालिका में दृष्टि (अगर मौजूद हो तो) और दृष्टि का वजन दिया गया है। जितना ज्यादा वजन होगा, दृष्टि उतनी ही प्रभावी होगी।

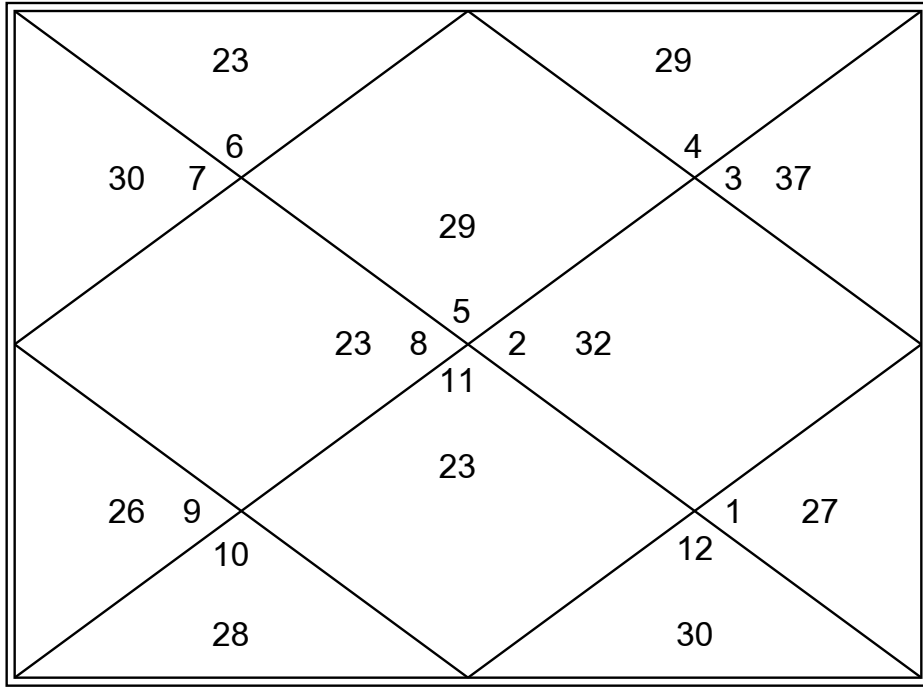
3. निरयन भाव चलित (केपी चक्र) के भाव प्रारम्भ अंश का उपयोग गणना के लिए किया गया है।

4. तालिका में ग्रहों की केपी भाव प्रारम्भ पर एप्पलाइड दृष्टि दिखाई गई है।

## ॥ अष्टकवर्ग तालिका ॥

राशि संख्या	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
सूर्य	3	4	5	4	4	3	4	3	3	3	6	6
चन्द्र	3	6	5	5	3	1	6	4	3	4	4	5
मंगल	2	3	4	4	4	3	5	1	4	4	2	3
बुध	4	5	5	4	5	5	4	3	6	5	3	5
गुरु	6	5	7	4	4	5	3	5	4	7	3	3
शुक्र	6	5	7	4	4	4	5	4	5	3	2	3
शनि	3	4	4	4	5	2	3	3	1	2	3	5
योग	27	32	37	29	29	23	30	23	26	28	23	30

अष्टकवर्ग चार्ट:



## ॥ प्रस्तरअष्टकवर्ग तालिका ॥

सूर्य

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	8
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	4
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	1	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	7
गुरु	0	0	1	0	1	0	0	0	0	0	1	1	4
शुक्र	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	1	1	3
शनि	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
राहू	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
योग	3	4	5	4	4	3	4	3	3	3	6	6	

चन्द्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
चन्द्र	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	6
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	1	0	0	1	1	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	8
गुरु	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	0	0	7
शुक्र	0	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	7
शनि	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
राहू	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
योग	3	6	5	5	3	1	6	4	3	4	4	5	

मंगल

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	4
गुरु	0	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	1	4
शुक्र	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	4
शनि	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	0	7
राहू	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	5
योग	2	3	4	4	4	3	5	1	4	4	2	3	

बुध

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	0	5
चन्द्र	0	0	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	6
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
बुध	1	1	1	1	1	0	1	0	1	1	0	0	8
गुरु	0	1	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
शुक्र	1	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	8
शनि	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	8
राहू	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
योग	4	5	5	4	5	5	4	3	6	5	3	5	

गुरु

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	1	1	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	9
चन्द्र	0	0	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	5
मंगल	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	7
बुध	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	8
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	0	8
शुक्र	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	1	0	6
शनि	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	4
राहू	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	1	0	9
योग	6	5	7	4	4	5	3	5	4	7	3	3	

शुक्र

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	0	1	1	0	0	0	0	0	0	0	1	3
चन्द्र	1	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	9
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	6
बुध	1	0	1	0	0	0	1	0	1	1	0	0	5
गुरु	0	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	5
शुक्र	1	1	1	1	0	1	1	1	1	1	0	0	9
शनि	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	7
राहू	1	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	1	8
योग	6	5	7	4	4	4	5	4	5	3	2	3	

शनि

	मेष	वृषभ	मिथुन	कर्क	सिंह	कन्या	तुला	वृश्चिक	धनु	मकर	कुंभ	मीन	योग
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	7
चन्द्र	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	3
मंगल	1	1	0	0	1	0	1	1	0	0	0	1	6
बुध	1	1	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	6
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
शुक्र	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	1	0	3
शनि	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	0	4
राहू	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	0	0	6
योग	3	4	4	4	5	2	3	3	1	2	3	5	

## Disclaimer

We want to make it clear that we put our best efforts in providing this report but any prediction that you receive from us is not to be considered as a substitute for advice, program, or treatment that you would normally receive from a licensed professional such as a lawyer, doctor, psychiatrist, or financial adviser. Although we try our best to give you accurate calculations, we do not rule out the possibility of errors. The report are provided as-is and we provides no guarantees, implied warranties, or assurances of any kind, and will not be responsible for any interpretation made or use by the recipient of the information and data mentioned above. If you are not comfortable with this information, please do not use it. In case any disputes the court of law shall be the only courts of Agra, UP (India).